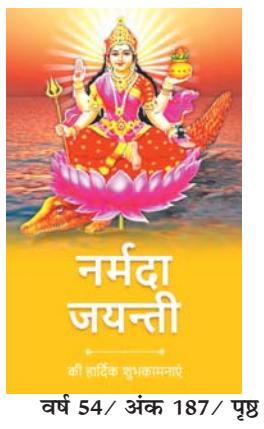


दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 187/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 04 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

# हरदा को सीएम ने दी 316 करोड़ रुपए की सौगातें

**हरदा, सांध्यप्रकाश संवाददाता।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंगलवार 4 फरवरी को हरदा जिले की टिमरनी तहसील के ग्राम छीपानेर स्थित चिचोटकुटी में 316 करोड़ 20 लाख रूपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया. इनमें 130.32 करोड़ रूपये लागत 21 कार्यों का भूमि पूजन और 185.87 करोड़ रूपये लागत के 97 कार्यों का लोकार्पण हुआ. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ग्राम चिचोटकुटी में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा नर्मदा नदी के तट पर 11.07 करोड़ रूपये लागत से बनवाये गये घाट निर्माण का लोकार्पण भी किया. कार्यक्रम में जिले के प्रभारी और सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग भी उपस्थित रहें.

इस कार्यक्रम से पहले नर्मदा जयंती की शुभकामनाएं देते हुए सीएम मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तो नदियों का मायका है और माँ नर्मदा हमारे लिए जीवन रेखा हैं. ऐसी पवित्र माँ नर्मदा की जयंती पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं. त्वदीय पाद पंकजम, नमामि देवी नर्मदे. जीवनदायिनी, पुण्य सलिला, मध्य प्रदेश की जीवन रेखा, माँ नर्मदा जयंती की समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं. माँ नर्मदा के अविरल प्रवाह ने मध्य प्रदेश को समृद्ध और खुशहाल बनाया है. माँ का आशीर्वाद ऐसे ही अनवरत बरसता रहे, यही कामना है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आइये, नर्मदा जयंती पर पवित्र भाव से वंदन, जल और संस्कृति के संरक्षण का संकल्प करें।

## मुख्यमंत्री मोहन यादव ने छीपानेर में किया वेदगर्भा घाट का लोकार्पण

## सरकारी स्कूलों के 7,900 छात्रों को कल मिलेगी स्कूटी, ई-बाइक के लिए मिलेंगे एक लाख 10 हजार

प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 7,900 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को बुधवार पांच फरवरी को स्कूटर प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव सुबह 11 बजे से राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्कूटर प्रदान निशुल्क प्रदान करेंगे।

**12वीं के टॉपर को मिलेंगे स्कूटर-** कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह एवं जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह भी उपस्थित रहेंगे। शासन की ओर से शैक्षणिक सत्र 2023-24 में सरकारी स्कूलों में 12वीं कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पाने वाले छात्र और छात्रा को स्कूटर निशुल्क प्रदान किया जाता है। इसके लिए विद्यार्थियों को विकल्प भी दिया गया है। अगर कोई विद्यार्थी स्कूटर नहीं लेना चाहता है तो उसे 95 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

### मप्र कैबिनेट की बैठक आज

## कई नीतियों को मिलेगी मंजूरी व सेमी कंडक्टर-ड्रोन संवर्धन नीति पर होगी चर्चा

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जापान की पांच दिन की यात्रा से लौटने के बाद आज पहली कैबिनेट बैठक होगी। इसमें सीएम यादव मंत्रिमंडल के साथियों से जापान यात्रा के अनुभव शेयर करेंगे। इस दौरान जापान की संस्कृति पर चर्चा के साथ मुख्यमंत्री 24 और 25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में जापान की ओर से किए जाने वाले संभावित निवेश के बारे में भी जानकारी देंगे। इसके साथ ही कैबिनेट में जीआईएस की तैयारियों के संबंधित कई नीतियों को मंजूरी मिलने की भी संभावना है।

मंत्रालय में दोपहर तीन बजे से होने वाली कैबिनेट बैठक में केंद्र सरकार के बजट के आधार पर सभी विभागों के बजट की तैयारियों को लेकर चर्चा होगी। सरकार ने अब तक युवा, गरीब, अन्नदाता और महिला सशक्तिकरण मिशन को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी के फार्मूले ज्ञान पर अमल शुरू कर दिया है। अब किसानों को फोकस कर कैबिनेट में चर्चा हो सकती है। प्रदेश सरकार के नए वित्तीय बजट में इन सभी वर्गों से संबंधित मिशन के लिए बजट प्रावधान किए जाने और इन वर्गों की योजनाओं पर फोकस करने पर भी चर्चा होगी।

## ऐतिहासिक, सर्वसमावेशी एवं लोक कल्याणकारी बजट के लिये प्रधानमंत्री का आभार

**भोपाल।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संसद भवन नई दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ऐतिहासिक, सर्वसमावेशी एवं लोक कल्याणकारी बजट के लिये आभार व्यक्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी से राज्य के विकास के विभिन्न विषयों में मार्गदर्शन प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का मार्गदर्शन सदैव प्रेरणादायक होता है। जनहित के कार्यों में समर्पण के भाव और नव ऊर्जा का संचार करता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी से मध्यप्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की और मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश निरंतर कार्य कर रहा है। उनके नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण के लिये प्रतिबद्ध है।

## बहुती नहर के उन्नयन हेतु 1700 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृति का किया अनुरोध

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा एवं सतना जिलों में संचालित बाणसागर परियोजना की बहुती नहर के आधुनिकीकरण के लिए केंद्र सरकार की मॉडर्नाइजेशन ऑफ कैचमेंट एरिया डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत 1700 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृति का अनुरोध किया। इस परियोजना से 85,000 हेक्टेयर कृषि भूमि का विकास होगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र के किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं प्राप्त होंगी।

## मंत्री पाटिल से बहुती नहर के उन्नयन के लिए 1700 करोड़ रुपये की स्वीकृति का किया अनुरोध

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल से सौजन्य भेंट की। उन्होंने रीवा और सतना जिलों में संचालित बाणसागर परियोजना की बहुती नहर के उन्नयन के लिए केंद्र सरकार की मॉडर्नाइजेशन ऑफ कैचमेंट एरिया डेवलपमेंट योजना के तहत 1700 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया।

### सांध्यप्रकाश विशेष

## भोपाली शायर अंजुम बाराबंकवी की भगवान राम पर लिखी गजल के मुरीद हुए पीएम मोदी, पत्र लिखकर जताया आभार

**भोपाल।** भोपाल सहित दुनिया भर में अपनी शायरी से लोगो का दिल जीत चुके राजधानी के शायर अंजुम बाराबंकवी द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को लेकर लिखी गई गजल के बाद शायर के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी फैन हो गए है। दरअसल शायर अंजुम बाराबंकवी ने डर लगता हैं मगर पास है दशरथ नंदन,मेरी हर सांस का विश्वास है दशरथ नंदन शीर्षक गजल लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्पीड पोस्ट की थी। जब शायर की चिट्ठी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास पहुंची तो उन्हें गजल खूब पसंद आई। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र लिखकर भोपाल के शायर की तारीफ की है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शायर की तारीफ़ में लिखे गए पत्र के मुताबिक़ मोदी ने शायर की भगवान श्री राम के प्रति भावनाओं को सराहनीय बताया और लिखा कि आप जैसे देशवासियों की ओर से किया जा रहे प्रयास राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे। पीएम ने अपने पत्र में लिखा कि स्नेहपूर्ण पत्र के माध्यम से अपने विचारों को मुझे साझा करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की 1 वर्ष पूर्ण होने पर अपनी प्रसन्नता को राम गजल में लिखकर अभिव्यक्त करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

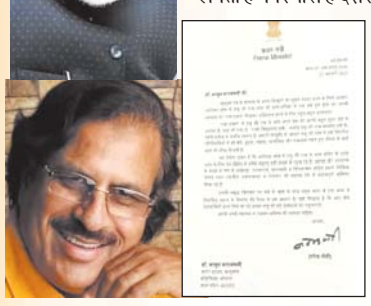

## 2 रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी प्रमुख पदों पर नियुक्त

भारतीय पुलिस सेवा में 1989 बैच के सेवानिवृत्त IPS अधिकारी एबी वेंकटेश्वर राव को दो साल के कार्यकाल के लिए आंध्र प्रदेश पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है । राव, जिन्हें पिछली सरकार के दौरान निलंबित कर दिया गया था, को हाल ही में वर्तमान प्रशासन द्वारा बहाल किया गया था। अब उनकी निलंबन अवधि को नियमित कर दिया गया है, जिससे वे पूर्ण वेतन और भत्ते के लिए पात्र हो गए हैं। इसके अलावा, 1986 बैच के IPS अधिकारी पूर्व डीजीपी आरपी ठाकुर को दो साल के लिए राज्य सरकार का सलाहकार नियुक्त किया गया है । वे नई दिल्ली में एपी भवन में रहेंगे।

## अवैध अप्रवासी भारतीयों का डिपोर्टेशन शुरू, सी-17 मिलिट्री प्लेन से भेजा भारत, आज पहुंचेगा पहला जत्था

**नई दिल्ली।** अमेरिका ने अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई तेज कर दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार इस मुद्दे पर सख्त हो गई है। सोमवार को एक अमेरिकी सैन्य

विमान ष्ट-17 भारत के लिए रवाना हुआ। इसमें अवैध भारतीय अप्रवासी सवार हैं। यह पहली बार है जब अमेरिका ने मिलिट्री के प्लेन से भारतीयों को डिपोर्ट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान को भारत पहुंचने में 24 घंटे लगेंगे।

**अमेरिकी सैन्य विमान से पहली बार भारत आ रहे अवैध अप्रवासी-** अमेरिका के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि ष्ट-17 सैन्य विमान से अवैध अप्रवासियों को भारत भेजा जा रहा है। हालांकि, विमान में कितने भारतीय नागरिक सवार हैं, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। यह डिपोर्टेशन ट्रम्प प्रशासन की ओर से अवैध अप्रवासियों पर उठाए गए सख्त कदमों का हिस्सा है।

## जया बच्चन के बयान पर भड़की वीएचपी कहा - उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए

**लखनऊ , एजेंसी।** विश्व हिंदू परिषद ने सपा नेता और राज्यसभा सांसद जया बच्चन के गंगा में शव बहा देने वाले बयान पर नाराजगी जताते हुए गिरफ्तारी की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के

मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने जया बच्चन के इस बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि एक उच्च पद पर बैठी सांसद द्वारा दिया गया ऐसा बयान देश में अस्थिरता पैदा कर सकता है। शरद शर्मा ने आगे कहा, जया बच्चन ने झूठा और भ्रामक बयान देकर सनसनी फैलाने की कोशिश की है। उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

### महाकुंभ आस्था और भक्ति की रीढ़ है - वीएचपी

संसद के बाहर मीडिया से बातचीत के दौरान जया बच्चन ने कथित तौर पर कहा था कि हजारों श्रद्धालुओं के शव प्रयागराज में गंगा में बहा दिए गए। जया बच्चन के इस बयान पर विश्व हिंदू परिषद के नेता शरद शर्मा ने कहा, महाकुंभ आस्था और भक्ति की रीढ़ है, जहां धर्म, कर्म और मोक्ष की प्राप्ति होती है। करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं इससे जुड़ी हुई हैं। विश्व हिंदू परिषद ने जया बच्चन से माफी की मांग की है। अगर वह ऐसा नहीं करती हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

## दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों पर वोटिंग कल

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए 5 फरवरी को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। लोकसभा चुनाव में INDIA ब्लॉक का हिस्सा रहीं 5 पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं। इनमें आम आदमी पार्टी और कांग्रेस सभी 70 सीटों पर आमने-सामने हैं। वहीं, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने 6, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सिस्ट और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया- मार्क्सिस्ट लेनेनिस्ट ने 2-2 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं।

## योगी और भूटान नरेश ने संगम में डुबकी लगाई

### गंगा पूजन के बाद अक्षयवट का दर्शन किया, अब तक 37 करोड़ ने स्नान किया

**प्रयागराज।** सीएम योगी और भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने संगम में डुबकी लगाई है। इसके बाद गंगा पूजन और आरती की, फिर अक्षयवट पहुंचे। वहां दर्शन-पूजन किया।

योगी और भूटान नरेश के साथ लखनऊ से विमान से बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से महाकुंभ आए। अरैल घाट से बोट में सवार होकर संगम गए और स्नान किया। इस दौरान भूटान नरेश ने योगी के साथ पक्षियों को दाना खिलाया और फोटो भी खिंचवाई।

योगी के दौरे को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर और अक्षयवट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया है। शाम 4 बजे के बाद खोला जाएगा। 5 फरवरी को पीएम मोदी महाकुंभ आ रहे हैं, ऐसे में योगी हेलीपैड से लेकर अरैल घाट और संगम नोज तक की व्यवस्था को भी देखेंगे। महाकुंभ का आज 23वां दिन है। अब तक 37 करोड़ लोग डुबकी लगा चुके हैं। आज सुबह 10 बजे तक 42 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। कल यानी वसंत पंचमी पर 2.33 करोड़ लोगों ने स्नान किया।

### जिला प्रशासन की कार्रवाई को लेकर की मोहलत की मांग

# मोतीनगर के रहवासियों के साथ मनोज शुक्ला पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिला प्रशासन की कार्रवाई के पहले मोती नगर से कई मानवीय पहलू सामने आ रहे हैं यदि जिला प्रशासन मौजूद सैकड़ों परिवारों को मोहलत नहीं देता है तो उनके सामने आर्थिक संकट के अलावा नैतिक संकट भी खड़े हो रहे हैं किसी के घर में बेटी के हाथ पीले होने हैं जबकि कहीं शादी की तैयारी चल रही है इस स्थिति में भी कार्रवाई होती है तो कई बेटियों की शादी भी टालनी होगी। इन मामलों को लेकर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला परिवारों के साथ सोमवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम से मिलने पहुंचे। नरेला विधानसभा के मोतीनगर को प्रशासन द्वारा 4 फरवरी को तोड़ने के नोटिस दिए गए हैं, व बस्ती को तोड़ने की सरकार की पूरी तैयारी हो चुकी हैं। इसी बीच कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला बस्ती में रहने वाली दुल्हन राहेला को लेकर समस्त रहवासियों सहित कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। वहां पहुंचकर कलेक्टर से मोतीनगर को तोड़ने की तय समयसीमा को 2 माह और बढ़ाने का अनुरोध किया। शुक्ला ने कहा कि मोतीनगर में लगभग 550 ऐसे बच्चे हैं जिनकी बोर्ड की परीक्षाएं सर पर हैं। ऐसे में उनको बस्ती से हटाने पर यह सब परीक्षाओं से वंचित हो जाएंगे। इसीलिए बोर्ड की परीक्षाओं तक इस विस्थापन को रोका जाए। उन्होंने 550 बच्चों की लिस्ट भी कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम को सौंपी। इस अवसर पर तारिक अली, मो आमिर, मुजाहिद सिद्दीकी, फैजान खान,अलीम उद्दीन बिल्ले, शानू खान, ज़हीर कुरैशी, जाकिर कुरैशी, नन्हे खान, खालिद कुरैशी आदि मौजूद थे।

## शोभायात्रा....

नर्मदा जयंती पर सेकंड स्टाप स्थित नर्मदा मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई।

## शिंदे गुट शिवसेना के बढ़ते हुए कदम

**भोपाल।** शिंदे गुट की शिवसेना ने मध्य प्रदेश में पार्टी के विस्तार के लिए कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया है। राष्ट्रीय सचिव अभिजीत अड़ सुल के निर्देश पर सुरेश गुर्जर को मध्य प्रदेश के प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। ठाडेश्वर महावर और राजीव चतुर्वेदी को मध्य प्रदेश राज्य प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, पुष्पेंद्र सिंह भदौरिया और जितेंद्र चतुर्वेदी को युवा सेना के लिए नियुक्त किया गया है। इस पुनर्गठन के साथ, शिवसेना मध्य प्रदेश में अपनी गतिविधियों को मजबूत करने के लिए तैयार है।इन संभागों की जिम्मेदारी मिली। नई कार्यकारिणी के सदस्यों को विभिन्न संभागों की जिम्मेदारी दी गई है। राजीव चतुर्वेदी को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, नर्मदापुरम की जिम्मेदारी दी गई है। जबकि ठाडेश्वर महावर को जबलपुर, रीवा, शहडोल, ग्वालियर, चम्बल की जिम्मेदारी दी गई है।

## एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में बसंत पंचमी पर की माँ सरस्वती की पूजा

**भोपाल।** कोलार रोड स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के मंदिर कैपस में सोमवार को 11.30 बजे माँ सरस्वती की विधि विधान से एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर जे. एन. चौकसे के यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार अमित कुमार सोनी एलएन मेडिकल के डायरेक्टर ए. के. चोधरी की उपस्थिति में पूजा अर्चना की साथ ही बड़ी संख्या में यूनिवर्सिटी के कर्मचारी एवं छात्र छात्राये भी उपस्थित रहे।

## नए पुराने नगमों और गीतों की प्रस्तुति

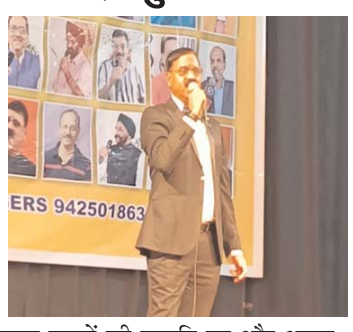

**भोपाल।** प्रस्तुति शहीद भवन मालवीय नगर भोपाल में आयोजित की गयी। नए पुराने नगमों और गीतों के साथ शहर के कई नाम चीन और वरिष्ठ सिंगर ने अपनी प्रस्तुति दी । संस्था की ओर से इस कार्यक्रम का छठवां वर्ष शहीद भवन में आयोजित किया गया। मंच का संचालन श्री विश्वाथन अय्यर एवं साथियों द्वारा किया गया और लोक गुंजन संस्था के सचिव श्री प्रवीण चौबे जी द्वारा आदरणीय अतिथियों का सम्मान किया गया। इसमें वे सभी सीनियर और श्रेष्ठ गायकों ने उन तमाम गीतों की प्रस्तुति दी जो गांव से लेकर पूरे देश के हर मन के प्रिय हैं और हमेशा कानों में रस घोलते हैं और समृद्ध लोक परंपरा को दर्शको,श्रोताओं को जोड़ते भी है। सुमधुर गीतों,लोकगीतों,सदाबहार नगमों की प्रस्तुति का और अलग-अलग जोन के गायको का एक ही मंच पर विविधता लिए हुए गायन की प्रस्तुति का होना निश्चित तौर पर संगीत और गीत को नये आयाम में प्रस्तुत करता है।

## किसी को पीड़ा पहुंचा कर सत्संग में नहीं जाना चाहिए: पं. कृष्ण देव

**भोपाल।** नेहरू नगर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा की चौथे दिन भागवत आचार्य पंडित कृष्ण देव तिवारी ने ने भगवान ऋषभदेव, अजामिल को पाप से मुक्ति, हिरण्य कश्यप ब ध, नरसिंह अवतार, राम अवतार, कंस प्रसंग, कृष्ण अवतार पर प्रकाश डाला। कथा स्थल पर आकर्षक झांकी सजाकर भगवान श्री कृष्णा का जन्मोत्सव मनाया गया भक्तों को उपहार स्वरूप ऊपर स्वरूप देव मिष्ठान का वितरण किया गया। कथा में पंडित कृष्ण देव तिवारी ने कहा ईश्वर कण-कण में व्याप्त है रामायण में कहा गया है सियाराम माय सब जग जानी करहु प्रणाम जोर झुक पानी। उन्होंने कहा शरीर मोटा दुबला पतला छोटा बड़ा हो सकता है जीवात्मा हमेशा पतली होती है काम क्रोध कम अहंकार मोह के अंग है कम बात का रोग है क्रोध पित्त रोग है लोग अहंकार रोग है भविष्य की नीति वर्तमान है वर्तमान को सुधारने की कोशिश करना चाहिए सुख छह प्रकार के होते हैं दान भोग नस धन की तीन गाती है धन दौलत पर अभिमान नहीं करना चाहिए गुरु की मर्यादा पर प्रकाश डालते हुए पंडित तिवारी जी ने कहा जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए वही गुरु है जो अचार्य विचार संस्कार से भारी हो वही गुरु है। कथा स्थल पर भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव प्रसंग पर श्रद्धालुओं महिलाएं बच्चे ढोल की धुन पर भाव होकर भाव विभोर होकर नाचने लगे भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप को पालने में झूल कर खुशियां मनाई गई आतिशबाजी की गई आज पूरे कथा स्थल को रंग-बिरंगे गुब्बारे से सजाया गया था आज कथा श्रवण हेतु ओमप्रकाश मिश्रा ,पत्रकार राममोहन चौकसे, प्रकाश सहित सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे।

भोपाल। नर्मदा जयंती पर शीतलदास की बगिया में महिलाओं ने मां नर्मदा की पूजा की।

## संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में सरस्वती पूजा एवं पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल की केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के मधुर गायन से हुई, जिसमें ज्ञान, संगीत, शिक्षा और कला की देवी मां सरस्वती का आह्वान किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या, डॉ. डालिमा पारवानी ने छात्राओं एवं समस्त स्टाफ को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि मां सरस्वती ज्ञान का प्रतीक हैं, और उनके आशीर्वाद के बिना संसार अज्ञानता में डूब जाता है।

## लक्ष्मीनाराण पूजन कर पूर्णाहूति, भण्डारे के साथ हुआ समापन

**संत हिरदाराम नगर।** हलालपुर स्थित खाती धर्मशाला में सर्व ब्राहमण साधु संत गौ रक्षा उत्थान समिति द्वारा दो दिवसीय श्री लक्ष्मीनाराण पूजन, अभिषेक आयोजन का सोमवार को समापन किया गया। जहां रूद्र अभिषेक किया गया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, पूर्व पार्षद बलवीर यादव ने पहुंचकर पूजन अर्चना की। समापन पर पूर्णाहूति के साथ भण्डारा किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्वालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम अध्यक्ष मनोज वर्मा और पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे ने बताया कि जनकल्याण एवं सुख शांति के लिए हर साल यह आयोजन किया जाता है। आयोजन में विशेष रूप से भूपत पटल, रमेश कुमार चौबे, संजय चोरसिया, लखन गुर्जर, महेश साहू, रवि मिश्रा, अर्जुन सिंह, स्वेता राजपूत, शनि राजपूत उपस्थित थे।

## खाद्य पदार्थ के उत्पादन की रासायनिक विधि कैंसर, ट्यूमर और दूसरे घातक रोगों का प्रमुख कारण: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि सभी रोग, चाहे वे पाचन सम्बन्धी हों या रक्त परिसंचरण सम्बन्धी, असावधानी और स्वास्थ्य के नियमों के प्रति लापरवाही से ही पैदा होते हैं। सही समय पर कैंसर की बीमारी का पता चल जाए तो इसका इलाज संभव है - उपवास, अच्छी नींद, शुभ चिंतन योग व्यायाम, सात्विक आहार जरुरी। विश्व कैंसर दिवस की स्थापना अंतरराष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ द्वारा की गई। विश्व भर में 04 फरवरी को हर साल विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। दुनिया की सभी जानलेवा बीमारियों में कैंसर सबसे खतरनाक है क्योंकि कई बार इसके लक्षणों का पता ही नहीं चलता। जब इस बीमारी के होने का खुलासा होता है, तब तक काफी देर हो चुकी है और कैंसर पूरे शरीर में फैल चुका होता है। इसी वजह से कई लोगों को उचित इलाज का समय ही नहीं मिल पाता और उनकी मौत हो जाती है। अगर वक्त पर कैंसर की बीमारी का पता चल जाए तो इसका इलाज संभव है। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कैंसर की पहचान शरीर की कोशिकाओं की अनैच्छिक, असामान्य तथा अनियमित वृद्धि से होती है। शरीर में नई वृद्धि या सूजन ट्यूमर कहलाती है। सामान्य रूप से ट्यूमर दो प्रकार के होते है- स्वास्थ्य प्रद तथा हानिकारक। एक हानिकारक ट्यूमर अंतत: कैंसर में परिवर्तित हो जाता है। कैंसरग्रस्त कोशिकायें शरीर के जैवप्रद पोषक तत्वों को ग्रहण कर लेती हैं, जिसके फलस्वरुप रोगी की मृत्यु हो जाती है। कैंसरग्रस्त कोशिकायें शरीर के किसी भी भाग में आरंभ हो सकती हैं। शरीर का प्रत्येक विशिष्ट भाग एक विशेष तथा भिन्न प्रकार का कैंसर उत्पन्न करता है। त्वचा, ग्रंथियों तथा झिल्लियों का कैंसर कार्सिनोमा; हडिड्यों, माँसपेशियों या संयोजक ऊतकों का कैंसर सरकोमा; त्वचा की वर्णक कोशिकाओं का कैंसर मेलानोमा; लसीका ग्रंथियों का कैंसर लिम्फोमा तथा रक्त का कैंसर ल्यूकेमिया कहलाता है। कैंसर न तो संक्रामक और न ही संचारी रोग है।

# स्कूलों में मनाया गया बसंत पंचमी का पर्व, हुई पूजा अर्चना

### सकारात्मक होकर कार्य करने की प्रेरणा देती है बसंत पंचमी: बसंत चेलानी

**संत हिरदाराम नगर।** बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर संस्कार विद्यालय में बसंत पंचमी का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव प्राचार्य आर. के. मिश्रा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों द्वारा माँ सरस्वती का आह्वान किया गया एवं उनकी प्रतिमा पर पुष्पाजंलि अर्पित कर आरती उतारी गई। बसंत चेलानी ने कहा कि बसंत पंचमी माता सरस्वती का जन्म दिवस माना जाता है, बसंत पंचमी हिंदू धर्म में विषेष महत्व रखने वाला है, इस दिन का सम्बंध देवी सरस्वती से है जिन्हें विद्या, बुद्धि, कला और संगीत की देवी माना गया है। बसंत पंचमी के दिन हमें यह प्रण लेना चाहिए कि नकारत्मक विचारों को अपने ऊपर हावी नहीं होने देंगे क्यों कि बसंत पंचमी सकारात्मक होकर कार्य करने की प्रेरणा देती है।

**साधु वासवानी स्कूल में मनाया गया बसंत पंचमी का पावन पर्व:** सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में सोमवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा का पर्व बसंत पंचमी बड़े उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष कॉपी, किताब एवं पेन की पूजा अर्चना की गई एवं मां सरस्वती के समक्ष हल्दी, कुमकुम, आरती व पुष्प अर्पित कर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर विद्या का दान प्राप्त करने का आशीर्वाद लिया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने बसंत पंचमी के पावन पर्व पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरस्वती का मंदिर जिसको विद्यालय कहा जाता है आप उस मंदिर में विद्या अर्जित कर रहे है, अत: प्रातकाल उठकर सर्वप्रथम मां सरस्वती को नमन करें और उसका आर्शीवाद लें और विद्या की देवी सरस्वती से ज्ञान-वान होने का वर मांगें।

# मप्र को रेल बजट में मिली अभूतपूर्व सौगातें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ यात्री सुविधाओं में मील का पत्थर साबित होगा रेल बजट

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में पेश केन्द्रीय बजट में मध्यप्रदेश के लिए रेलवे सुविधाओं के लिए 14 हजार 745 करोड़ रुपए के बजट आवंटन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त कर मध्यप्रदेश के नागरिकों की ओर से धन्यवाद दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार मध्यप्रदेश को रेलवे से संबंधित विकास कार्यों के लिए इतनी अधिक राशि का अवंटन हुआ है। केन्द्रीय रेल मंत्री ने मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत रेल विद्युतिकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मध्यप्रदेश से रेल मंत्रालय को पूरा सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष मध्यप्रदेश को इंदौर-मनमाड रेल लाइन और इंदौर से दाहोद गुजरात तक धार होकर जाने वाली रेल परियोजना की स्वीकृति के कार्य हुए हैं। मध्यप्रदेश के नागरिकों को सभी दिशाओं में रेल नेटवर्क, यात्रियों के लिए माल भाड़े से जुड़ी सुविधा, रेल्वे ब्रिज और स्टेशनों के विकास की सौगात निरंतर मिल रही है। यह उत्साहवर्धक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है रेल बजट 2025-26 प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ यात्री सुविधाओं के विस्तार में मील का पत्थर साबित होगा। इस वर्ष मध्य प्रदेश को रेलवे बजट में अभूतपूर्व सौगातें मिली हैं।

इस बजट से न केवल रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा बल्कि राज्य में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। रेलवे के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार से मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास को एक नई दिशा मिलेगी। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव का मैं हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करता हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए घोषित रेल बजट 2025-26 में राज्य को रेल अवसंरचना विकास के लिए अभूतपूर्व सौगातें दी गई हैं। इस बजट में 14,745 करोड़ रुपये का भारी भरकम बजटीय आवंटन किया गया है, जो राज्य के रेल नेटवर्क के विस्तार और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रेल बजट 2025-26 में 31 नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है, जिनकी कुल लंबाई 5,869 किलोमीटर है और इन पर 1,04,987 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी और यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

**80 रेलवे स्टेशन विकसित होंगे अमृत स्टेशन के रूप में:** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए मध्य प्रदेश के 80 स्टेशनों को %अमृत स्टेशन% के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिन पर 2,708 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्टेशनों में अकौड़िया, आमला, अनुपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बनापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बैतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, ब्यावरा, छिंदवाड़ा, डबरा, दमोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जंक्शन, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुड़वारा, कटनी साउथ, खाचरोद, खजुराहो जंक्शन, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सी जंक्शन, मंडला फोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदा जंक्शन, नैनीपुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, नेपानगर, नीमच, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रुथियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना, सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, श्यामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन शामिल हैं।

स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं के तहत रानी कमलापति, ग्वालियर, खजुराहो, सतना, इंदौर, बीना और जबलपुर जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के पुनर्विकास पर 1,950 करोड़ रुपये की लागत से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में रेलवे सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। %कवच% तकनीक के अंतर्गत 3,572 किलोमीटर रेल मार्ग पर सुरक्षा कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 1,422 किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है। यह तकनीक ट्रेन संचालन के दौरान दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करेगी और यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाएगी। मध्यप्रदेश में विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। राज्य में 2,808 किलोमीटर रेल मार्ग का विद्युतीकरण पूरा किया जा चुका है, जिससे मध्यप्रदेश 100 प्रतिशत विद्युतीकृत राज्य बन चुका है। इसके अलावा, राज्य में 2,456 किलोमीटर नई पटरियों का निर्माण किया गया है, जो डेनमार्क के पूरे रेल नेटवर्क के बराबर है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों के बेहतर अनुभव के लिए मध्यप्रदेश में 4 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जो राज्य के 14 जिलों को जोड़ती हैं और इन जिलों में 18 स्टॉपेज हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए 69 लिफ्ट, 41 एस्केलेटर और 408 स्टेशनों पर वाई-फाई की सुविधा भी प्रदान की गई है।

### वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टरों को निर्देश

# जनता के जीवन को आसान बनाना हमारा दायित्व: मुख्य सचिव

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा पुलिस व प्रशासन तालमेल के साथ काम करें। दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह काम करें। मुख्य सचिव जैन ने सोमवार को मंत्रालय में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से कलेक्टर, कमिश्नर, पुलिस अधीक्षक और पुलिस महानिरीक्षकों के साथ विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिये कि अवैध गतिविधियों पर रोक लगायी जायें। कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक निष्पक्ष रहकर मिलकर काम करें। उन्होंने निर्देश दिये कि अवैध शराब बिक्री पर रोक के लिए संयुक्त टीम बनाएं। राजस्व प्रकरणों में समय-सीमा एवं ईमानदारी से काम करें। जनता के जीवन को आसान बनाना हमारा दायित्व है। मुख्य सचिव जैन ने कानून व्यवस्था बनाये रखने और अपराध को रोकने के लिए, जुआं/सट्टा, अवैध शराब विक्रय, अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन, अपंजीकृत वाहनों, प्रदूषण के विरूद्ध, खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरूद्ध और बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत नियम विरूद्ध लाउड स्पीकर बजने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव जैन ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकार्ड सुधार के प्रकरणों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। राजस्व महाअभियान में सभी निरस्त होने वाले राजस्व प्रकरणों का पुनः परीक्षण किया जाने एवं त्रुटिपूर्ण नक्शा सुधार का कैम्प लगाकर निराकरण किये जाने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव जैन ने खाद की कीमत निर्धारित मूल्य से अधिक में बेचने पर विक्रेता के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये। खाद, कीटनाशक मामले में गंभीर शिकायतों/अनियमितता होने पर जांच के बाद एफ.आई.आर. दर्ज कराने के निर्देश दिये। मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों के बाद जिलों में भी ई-ऑफिस प्रणाली शुरू करने के निर्देश दिये गये। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि कानून व्यवस्था बनाने एवं अवैध शराब बिक्री रोकने के लिए गंभीरता से कार्य करें। अवैध खनिज उत्खनन पर पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग मिलकर कार्यवाही करें। वाहनों में लगे अवैध हूटर एवं अवैध तरीके से प्रेस, पुलिस लिखे वाहनों पर कार्यवाही की जायें। साइबर फ्रॉड एवं सिक्योरिटी पर जनमानस को जागरूक करने का कार्य करें।

अपर मुख्य सचिव गृह विभाग जे.एन.कंसोटिया ने कहा कि ट्रेक्टर से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मण्डी बोर्ड, स्थानीय निकाय के साथ मिलकर रिफ्लेक्टर लगाये जायें। बैठक में अपर मुख्य सचिव पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण अजीत केसरी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुप्तवार्ता, प्रमुख सचिव विधि एवं विधायी, प्रमुख सचिव पर्यावरण एवं प्रमुख सचिव राजस्व भी उपस्थित रहे।

# मानवीय दृष्टिकोण, भावनात्मक सहयोग उपचार को करता है आसान: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

### एम्स भोपाल में 2 दिवसीय पेलियेटिव केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम में हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कैंसर की सही समय में जाँच पर पूर्ण निदान सहजता से संभव है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में आज आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है। चिकित्सकीय संस्थानों का उन्नयन किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के साथ अत्याधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा की चिकित्सा क्षेत्र में संसाधनों के साथ चिकित्सकीय मैनपॉवर का मानवीय रवैया, भावनात्मक सहयोग उपचार को आसान करता है। मरीजों और परिजनों में संतोष का भाव जागृत करता है। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी अधिकारियों कार्मिकों में मानवीय संवेदनाओं की समझ और उसका प्रगटीकरण अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्व कैंसर दिवस पर एम्स भोपाल में आयोजित 2 दिवसीय पेलियेटिव केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कैंसर का निदान सहज और सुलभ बनाने के लिये केंद्रीय बजट में हर ज़िले में कैंसर केयर सेंटर बनाने का ऐतिहासिक प्रावधान किया गया है। साथ ही कैंसर दवाओं को किफायती दरों में उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। आयुष्मान भारत योजना से हर नागरिक आज उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाएं सहजता से प्राप्त कर पा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन में स्वस्थ भारत महत्वपूर्ण आयाम है। इसके लिये केन्द्र और राज्य सरकार पूर्ण समर्पण से प्रयास कर रही हैं। इसे साकार करने हेल्थ मैनपावर की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सक का दायित्व केवल उपचार करने तक सीमित नहीं है। उपचार के साथ और उपचार के बाद मरीज़ को जो मानसिक और भावनात्मक सहयोग चिकित्सक या अस्पताल स्टाफ से मिल सकता है, वो उसकी रिकवरी को और तेज़ करने में सहायक होता है। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर से प्रशिक्षण का पूर्ण लाभ उठाने का आह्वान किया।

**असंचारी रोगों के बेहतर प्रबंधन के लिए ÷टेस्ट और ट्रीट÷ अवधारणा पर किया जा रहा है कार्य:** उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। मेडिकल कॉलेजों में संभागीय मुख्यालयों में लाइनैक मशीन, पेट स्कैन, ब्रेकी थेरेपी एयर कैथ लैब जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं, ताकि हृदय रोग, कैंसर जैसे असंचारी रोगों का समुचित निदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि इन रोगों के बेहतर प्रबंधन के लिए ÷टेस्ट और ट्रीट÷ अवधारणा पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मियों से आह्वान किया कि पूरे समर्पण से मिशन मोड में सेवा भाव से कार्य करें। संसाधनों के साथ समर्पित प्रयास से मध्यप्रदेश शीघ्र ही स्वास्थ्य मानकों में अग्रणी राज्य बनेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विगत दिवस जबलपुर, भोपाल और इंदौर में ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अंग रिट्रीवल एवं प्रत्यारोपण कर बहुमूल्य जीवन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले चिकित्सकीय और सहायक चिकित्सकीय स्टाफ की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा ऐसे समर्पित प्रयासों से चिकित्सकीय कार्मिको का मान बढ़ता है और समाज में अपने प्रतिष्ठित स्थान के साथ वे न्याय करते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रशिक्षण प्रदान करने वाले मास्टर ट्रेनर और रिसोर्स पर्सन को सम्मानित किया।

अध्यक्ष एम्स प्रो. डॉ. सुनील मलिक ने पैलिएटिव केयर के विभिन्न आयामों और महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने असंचारी रोगों के बढ़ते दबाव और प्रबंधन के लिए किये जा रहे प्रयासों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और एम्स के संयुक्त तत्वाधान में किया गया है। एम्स के वरिष्ठ चिकित्सक, प्रोफेसर्स और विषय विशेषज्ञों ने पैलिएटिव केयर की जिम्मेदारियों और दायित्वों की चिकित्सकों और नर्सिंग ऑफिसर को विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

### क्या है पेलिएटिव केयर..

पेलिएटिव केयर गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए विशेष चिकित्सा देखभाल है। पेलिएटिव केयर का उद्देश्य मरीज़ में दर्द या अन्य कोई शारीरिक, मानसिक या सामाजिक समस्याओं की पहचान और सही मूल्यांकन कर उसकी पीड़ा को कम करने में मदद करना है। इसके लिए ऐसे मरीज़ों के परिजनों को भी परामर्श और तकनीकी कौशल को बढ़ाने की ज़रूरत है ताकि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद घर पर उसकी बेहतर देखभाल हो सके। साथ ही साथ अस्पताल में बार-बार भर्ती होने की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सके।

पेलिएटिव केयर कार्यक्रम में कैंसर विभाग, रेडियोथैरेपी, एनेस्थिशिया, मेडिसिन एवं सायकेट्री विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण है। लेकिन इसके साथ ही फंटलाईन डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ को भी इसकी समझ ज़रूरी है, क्योंकि इन्हीं लोगों के पास सबसे पहले कोई मरीज़ अपनी तकलीफ को लेकर पहुंचता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनियाभर में 5 करोड़ 68 लाख लोगों को पेलिएटिव केयर की आवश्यकता है। इनमें से लगभग 2 करोड़ 57 लाख लोग जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं। वैश्विक स्तर पर 14 प्रतिशत लोगों को ही पेलिएटिव केयर उपलब्ध है।उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ÷सभी के लिए स्वास्थ्य÷ विज़न को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और बजट प्रावधान महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाएं और किसी भी प्रकार के लक्षणों को नजरअंदाज न करें। राज्य सरकार हर नागरिक के बेहतर स्वास्थ्य के लिए संकल्पित है।

# समयावधि में कार्य न करने वाली एजेंसियों पर ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई हो: एसीएस डॉ. राजौरा

### उज्जैन संभाग की समीक्षा बैठक ली

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने कहा है कि जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यरत एजेंसियों के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग कर कार्य तीव्र गति से मापदण्ड व अनुबंध की शर्तों अनुसार करवाना सुनिश्चित करें। डिफॉल्टर एजेंसियों पर ब्लैक लिस्टेड करने के साथ व टर्मिनेशन की सख्त कार्रवाई की जाएं। एसीएस डॉ. राजौरा उज्जैन में संभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर यह सुनिश्चित करें कि पूर्व में प्रगतिरत रोड़ रिस्टोरेशन के कार्य पूर्ण न होने तक नई खुदाई के कार्य प्रारंभ न किए जाए और प्रत्येक पखवाड़े में जल जीवन मिशन की जानकारी बैठक के माध्यम से जनप्रतिनिधियों को प्रदान करें।

अपर मुख्य सचिव डॉ. राजौरा ने बैठक में संभाग के सभी जिलो के कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, संभागीय व जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता के हित से जुड़े सभी कार्यों पर सभी संबंधित अधिकारी विशेष ध्यान दे। जल जीवन मिशन के अंतर्गत रोड़ रिस्टोरेशन के कार्यों की सतत मॉनिटरिंग कर सभी रिस्टोरेशन कार्य मार्च 2025 तक पूर्ण किए जाएं। रोड़ रिस्टोरेशन के पूर्ण कार्यों का पुनः निरीक्षण अगले एक सप्ताह में जनप्रतिनिधियों एवं एसडीएम की टीम के साथ किए जाने के पश्चात ही कार्य पूर्णता का सर्टिफिकेट दिया जाए। जल जीवन मिशन अंतर्गत रोड़ रिस्टोरेशन, रोड़ खुदाई एवं योजना के संपूर्ण कार्यों की जानकारी सतत रूप से स्थानीय विधायकों को दी जाए।

एसीएस डॉ.राजौरा ने संभागायुक्त संजय गुप्ता को निर्देशित किया कि सभी जिला कलेक्टर से सुनिश्चित करवाएं कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण व समयावधि में हो। कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। जिला कलेक्टर प्रत्येक माह जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सभी विभागों के प्रमुख मुददों पर समन्वय स्थापित करें। बैठक में ऊर्जा विभागांतर्गत केबल, ट्रांसफॉर्मर, डीपी को समय-समय पर बदले जाने के कार्य का भौतिक सत्यापन जनप्रतिनिधियों के साथ कराए जाने के निर्देश दिए गए। विद्युत संबंधी रख-रखाव की जानकारी आमजन को पहले से प्रदान की जाए। अस्थाई कनेक्शन के कारण अतिरिक्त दाब के कारण बार-बार डीपी को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए स्थाई हल निकाला जाए।

# मध्यप्रदेश भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र है: राज्य मंत्री लोधी

### मप्र नाट्य विद्यालय के अकादमिक भवन का किया लोकार्पण

**भोपाल।** संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के नए अकादमिक भवन का लोकार्पण किया।

राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र है और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में हम सब इसी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। आने वाले समय में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की तर्ज पर विकसित किया जायेगा।राज्य मंत्री लोधी ने बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन कर भवन की गतिविधियों का शुभारंभ किया। अकादमिक भवन के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान नाट्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने

स्थानीय लोकगीतों की सुंदर प्रस्तुति दी। राज्य मंत्री लोधी ने युवा कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना की और उनका प्रोत्साहन करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद कहा करते थे सारी शक्ति अपने अंदर समाहित है, जरूरत है उसे पहचानने की और अपने आत्मबल को जगाने की। मंत्री लोधी ने इस दौरान अकादमिक भवन का भ्रमण किया और सुविधाओं का जायजा लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति एन. पी. नामदेव, निदेशक टीकम चंद्र जोशी, विद्यालय के शिक्षकगण, अलग-अलग क्षेत्रों के कलाकार एवं कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

# बिजली कंपनी ने सार्वजनिक किए बड़े बकायादारों के नाम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

### प्रत्येक सोमवार अपडेटेड सूची दर्ज हो रही है वेबसाइट पर

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के अंतर्गत आने वाले ऐसे बिजली उपभोक्ता जिनके द्वारा अपने बकाया बिजली बिलों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है, उनके नाम, पते और बकाया राशि की जानकारी को सार्वजनिक कर दिया है।

कंपनी द्वारा बकायादारों के नामों की सूची कंपनी के पोर्टल पर सार्वजनिक की है, इन बकायादरों के नाम आमजन और उपभोक्ताओं द्वारा क्षेत्रवार देखा जा सकता है। इसके लिए कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर जाकर होम पेज पर Consumer Arrears List पर क्लिक करते ही वृत्त के आधार पर कुल बकायादारों की सूची उपलब्ध हो जाएगी। इसी लिंक को कंपनी के सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम आदि पर भी साझा कर दिया गया है।

कम्पनी द्वारा इस सूची को प्रति सोमवार अद्यतन किया जा रहा है। जो उपभोक्ता अपने बिजली बिल की बकाया राशि जमा कर देते है उन उपभोक्ताओं के नाम पोर्टल पर जारी सूची से तथा सोशल मीडिया से हटा दिए जाते हैं। इसलिए बकाया राशि समय पर जमा करें, ताकि बकायादारों की सूची से नाम हटाया जा सके।

### भोपाल रियासत की सदर मंजिल बनी हेरिटेज होटल

# रूकेंगे इन्वेस्टर्स समिट के खास मेहमान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के ऐतिहासिक सदर मंजिल भवन को एक भव्य हेरिटेज होटल में तब्दील कर दिया गया है। यह भवन, जो कभी भोपाल रियासत के प्रशासनिक केंद्र के रूप में जाना जाता था, अब अपनी पुरानी शान और वैभव के साथ शहर के पर्यटन आकर्षणों में प्रमुख स्थान पर है। आगामी 24-25 फरवरी को होने वाले इन्वेस्टर्स समिट के लिए होटल के सभी 22 रूम खास मेहमानों के लिए पहले से ही बुक कर दिए गए हैं।

**इतिहास को जीवंत करती सदर मंजिल:** सदर मंजिल का निर्माण 19वीं शताब्दी में भोपाल रियासत के नवाबी दौर में हुआ था। वर्षों तक उपेक्षित रहने के बाद, अब इस ऐतिहासिक इमारत का पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार किया गया है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस हेरिटेज होटल में पारंपरिक वास्तुकला की झलक बरकरार रखी गई है। इसके शानदार आंगन, गुंबददार छतों और नक्काशीदार दरवाजों को विशेष रूप से बहाल किया गया है ताकि यहाँ आने वाले मेहमान भोपाल की शाही विरासत का अनुभव कर सकें।

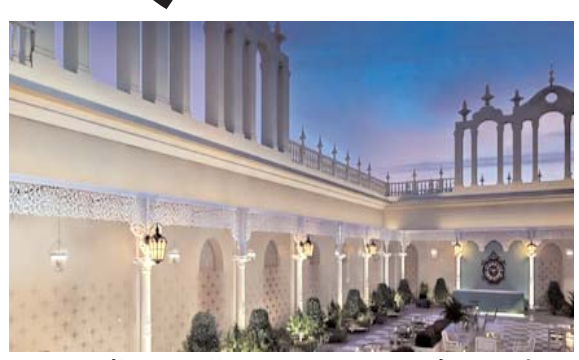

**स्मार्ट सिटी परियोजना का हिस्सा:** सदर मंजिल का यह पुनरुद्धार, भोपाल के स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किए गए प्रयासों का एक प्रमुख उदाहरण है। हर साल ?80 करोड़ की राशि से ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण और विकास पर कार्य किया जा रहा है। स्थानीय अधिकारियों का मानना है कि इस परियोजना से न केवल भोपाल के पर्यटन में वृद्धि होगी, बल्कि शहर की सांस्कृतिक धरोहर को भी नया जीवन मिलेगा। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया, यह होटल अब न केवल अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के स्वागत का प्रतीक होगा, बल्कि भोपाल की समृद्ध विरासत का भी प्रतिनिधित्व करेगा। आगामी इन्वेस्टर्स समिट में इस होटल में ठहरने वाले विशिष्ट अतिथियों को ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल करने की योजना भी बनाई गई है।

### होटल की खासियतें

22 भव्य कमरे - हर कमरे में नवाबी दौर की सजावट के साथ आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं।

शानदार आंगन - होटल का केंद्रीय आंगन विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों और मेहमानों के स्वागत के लिए तैयार है।

पारंपरिक एवं आधुनिक अनुभव - होटल में मेहमानों के लिए विशेष रूप से भोपाली व्यंजन परोसे जाएंगे और स्थानीय कला-संस्कृति से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उच्च स्तरीय सुविधाएं - विशेष कॉन्फ्रेंस हॉल और लाउंज की व्यवस्था की गई है।

# सैफ अब सेफ लेकिन नहीं थम रहे सवाल अनसुलझे, अनसेफ..!

**ऋतुपर्ण दवे**

यह न तो किसी फिल्म का हिस्सा है और न ही कोई स्टंट।फिल्म अदाकार सैफ अली खान अपने घर पर16 जनवरी की आधी रात बाद बदनीयत से घुसे एक आरोपी के प्राणघातक हमले से बुरी तरह जख्मीं हो खून से लथपथ हो जाते हैं। शेरदिल सैफअपने छोटे बच्चे के साथ ऑटो में बैठकर अस्पताल पहुंचते हैं। घायल सैफ को पहचानते ही अस्पताल में तहलका मचता है। हैसियत के अनुसार बेहतर इलाज मिलता है।खबरिया चैनलों में घटना को दिखाने की होड़ मचती है।देखते ही देखते एक सेलेब्रिटी पर हमला हर जुबान पर होता है।लोग अपने-अपने कयास लगाते हैं। मुंबई पुलिस पर उंगली उठती है। हड़बड़ाहट में पुलिस को जो सुराग, सबूत हाथ लगते हैं उसी पर काम शुरू हो जाता है। सी.सी.टी.वी. फुटेज मिलते ही पलकझपकते हर मोबाइल पर पहुंच जाती है।

कई घण्टे बल्कि दिन पुलिस खाली हाथ रहती है। धीरे-धीरे सुराग मिलने के दावे होते हैं।तीन संदेहियों की बात होती है। हद तो तब हो जाती है जब छत्तीसगढ़ जा रहे कथित आरोपी की फोटो जारी हो जाती है जिससे उसकी न केवल नौकरी चली गई बल्कि होने वाली शादी भी टूट गई।उससेहाथ कुछ नहीं लगा। काफी मशक्कत, किरकिरी और नाक के सवाल के बीच35 पुलिस टीमों की 60 घण्टों की भागदौड़ से19 जनवरी कोकथितअसली आरोपी हाथ लगता है।इसे बांगलादेशी घुसपैठिया शरीफुलइस्लाम शहजाद बताया जाता है। दूसरी ओर बांगलादेश में बैठा उसका पिता देखते ही साफ इंकार करता है किसी.सी.टी.वी. में दिख रहा शख्स उनका बेटा नहीं है।

इसी बीच फुटेज और पकड़ाए आरोपी के अलग-अलग हुलिए पर नई बहस और कई तर्क-कुतर्क शुरू हो जाते हैं। वाकई दोनों अलग-अलग दिखते हैं जो पहली नजर में समझ आता है।देश की सबसे स्मार्ट कहलाने वाली मुंबई पुलिस अपने ही जारी वीडियो पर घिर जाती है।बात तकनीक से पहचान तक आती है। वहीं दूसरे आम जानकार भी सवाल उठाते हैं। आम और खास सभी फुटेजऔर गिरफ्तार आरोपी के चित्रों का मिलान करते हैं और संदेहों की झड़ी लग जाती है।सी.सी.टी.वी.में बाल काले हैं आरोपी के बाल थोड़े से सफेद हैं। दोनों की उम्र भी अलग-अलग झलकती है। पकड़ा गया उम्र दराज लगता है तो फुटेजवाला बनिस्बत युवा। माथे काआकार-प्रकार भी अलग-अलग दिखता है। सी.सी.टी.वी.वाले का माथा पकड़ाए आरोपी की तुलना में छोटा है। आँखों में भी साफ अंतर है। पकड़ाए आरोपी की आँखें थोड़ी चौड़ीऔर बादाम के आकार सी है।सी.सी.टी.वी. में दिख रही आँखें गोल और छोटी हैं। दोनों की भौंहों का अंतर भी साफ-साफझलकता है। दोनों की नाक का भी अंतर समझ आता है।गिरफ्तार की नाक चौड़ी है।फुटेज में नाक नुकीली और कम चौड़ी है। दोनों के होंठों में साफ-साफ अंतर दिख रहा है।

बात सिर्फ आरोपी की हो तो भी समझ आता है। लेकिन सैफ के डिस्चार्ज के वक्त आए वीडियो ने तो जैसे हंगामा बरपा दिया।चूंकिउन पर चाकू से इतने वार हुए कि एक टुकड़ा टूटकर पीठ में जा घुसा जो सर्जरी से निकला।जाहिर है जख्म गहरे होंगे और सैफबेइंतिहा दर्द से गुजरे होंगे। साधारणतया फांस घुसनेया नाखून के साथ किनारे जमीं चमड़ी कट जाने पर कई-कई दिन लोगों कोतकलीफ रहती है। वहीं बुरी तरह जख्मी सैफ की सेहत में हैरानी भरा सुधार और इतना कि अस्पताल से पैदल चलकर हीरो माफिक निकलना खुद ही बड़ा सवाल बन गया?जबकि डॉक्टरों की हिदायत पूरी तरह से आराम यानी बेड रेस्ट की रही।

परिस्थितियों और बाद के घटनाक्रम ने संदेह और बढ़ाया।आम तो आम खास भी सवाल उठाने लगे।महाराष्ट के मंत्री नितेश राणे ने चुभते सवाल उठाए। पूछा कि क्या वाकई में चाकू से हमला हुआ या महज एक्टिंग थी?शिवसेना नेता संजय निरूपम भी कई सवाल उठाते हैं। सैफ पाँच दिन में ऐसे फ़िटकैसे होगए?उद्धव गुट के सांसद संजय राउत फिटनेसको मेडिकल चमत्कार मान डॉक्टरों को श्रेय देते हैं।

इधर लहरें टीवी का सोशल मीडिया हैंडल एक पुराना वीडियो शेयर करता है। उसमें सैफ 1994 में दिल्ली में हुए हमले का खुलासा करते हैं। फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के प्रीमियर के बाद सैफ कुछ दोस्तों संग एक नाइट क्लब गए। वहां दो लड़कियां साथ डांस करने को कहती हैं। सैफ के इंकार पर लड़कियों के पुरुष दोस्त को बुरा लगा।बात चेहरा बिगाड़ने तक पर आ गई। सैफ पर हमला हुआ। वो सिर कीचोट का निशान भी दिखाते हैं। लेकिन केस क्यों नहीं किया के जवाब में कहते हैं कि मामले को ज्यादा पब्लिसिटी नहीं देना चाहते थे वरना लोग उन्हें ही दोषी ठहराएंगे।इस बार ऐसा नहीं हुआ। चोटिल और इलाज के बाद निकलते सैफ किसी सुपरस्टार से कम नहीं लगे। 17 जनवरी की तड़के से अब तक सुर्खियांइतनी कि थमने के बजाएरोजाना कुछ न कुछ नई थ्योरी के साथ सामने होती हैं। हमले के वक्त घर पर कौन-कौन था, करीना लेकर अस्पताल क्यों नहीं पहुंची? साथ में वाकई कौन गया बेटा या कोई और?

निश्चित रूप से सैफ पर हमला,पकड़ाए आरोपी पर संदेह, सेहत में हैरानी भरा सुधार हर रोज नए-नए खुलासे, तर्क-वितर्क के बीच सच क्या और झूठ क्या है इस पर ऊहापोह की स्थिति है। कभी यह सुनाई देता है किघटनास्थल से कलेक्ट किए गए नमूनों में से 19 नमूने आरोपी के फिंगरप्रिंट से मेल नहीं खा रहे। अब यह कि फेशियल रिकग्निशन टेस्ट में आरोपी शरीफुल का चेहरा और सैफ के घर में मिले सीसीटीवी के कैद आरोपी का चेहरा एक ही है। यह एक तरह से बायोमेट्रिक पहचान तकनीक है जो तीन भागों में विभाजित है। चेहरा पहचानना, चेहरा ट्रैकिंग और चेहरे को मिलाना।इस तकनीक से मुख्य रूप से यह पता किया जाता है कि दो तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति एक ही व्यक्ति है या नहीं?

इतना तो तय है कि घटना की गुत्थियां,पेचीदगियां और रहस्य कहीं न कहीं महाराष्ट्र पुलिस, सरकार और सेलीब्रिटीज के लिए लंबे अरसे तक सिरदर्द जरूर रहेंगी। सच-झूठ सिवाय सैफ-करीना के कौन जानता है यह भी अनसुलझा सवाल बन चुका है?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

आज जयंती-

# सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रखर पुंज थे महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

भारतेन्दु ने देश की विवशता को देखते हुए इकट्ठा होकर रोने और 'भारत दुर्दशा' का आख्यान लिखकर जिस राष्ट्रीय चेतना

की अलख जगाई, उसका परिष्कार 'भारत-भारती' 'एक फूल की चाह' 'विप्लव गायन' से लेकर 'जागो फिर एक बार' और 'शिवाजी का पत्र' के माध्यम से आम हिन्दी जन तक हुआ।

भारतेन्दु की अलख को अनेक कवियों ने स्वर दिया है मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', रामधारी सिंह 'दिनकर' आदि अनेक कवियों के बीच छायावादी कविता में सबसे ऊँचा सुर और स्वर महाप्राण सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का था।

जयशंकर प्रसाद ने अपने नाटकों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को झंकृत किया, तो निराला ने 'बस एक बार तू और नाच जा श्यामा' का आह्वान किया। भारतीय स्वतंत्रता का बोध अतीत के पन्नों को पलटते हुए निराला ने कराया- 'जागो फिर एक बार'।

आमतौर पर देशवासी यह मानने लगे हैं कि 'सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट' का सिद्धांत दार्शनिक डार्विन का है। निराला इससे सहमत नहीं है। वे मानते हैं कि हजारों हजार वर्ष पहले कृष्ण की गीता में यह कहा गया है।

'निराला' कहते हैं-

'योग्य जन जीता है'/पश्चिम की उक्ति नहीं/गीता है-गीता है/ स्मरण करो बार-बार/जागो फिर एक बार। भारतीय अतीत की

गौरवशाली परंपरा का उन्हे जितना ज्ञान और बोध था उतना अन्य किसी कवि की रचनाओं में व्यक्त नहीं हुआ।

श्यामा का आहवान करते हुए कहते हैं- कितने ही हैं असुर चाहिए/कितने तुमको हार/लोगों को जागृत करते हुए कहते हैं - सिंही की गोदी से/छीनता रे शिशु कौन? मौन भी वह रहती क्या/रहते प्राण रे अजान/

'निराला' दूसरा उदाहरण भी पेश करते हैं कि एक बकरी भी अपनी संतान के छिनने पर तप्त आंसू बहाती है इसीलिए ये बार-बार जागने का संदेश देते हैं, यह संदेश विवेकानन्द का था- उत्तिष्ठ जाग्रत......।

संसार में ऐसे बहुत कम कवि एवं कलाकार हुए हैं जिनका जीवन और साहित्य (कला) दोनों महान हैं। 'निराला' जीवन और

साहित्य दोनों में महान थे। असाधारण कायिक गठन (ग्रीक देवता की तरह) असाधारण स्वर और सुर, महान् रचना कर्म, देशभक्ति, अध्यात्म, दर्शन, चिन्तन और अजीब तरह के फक्कड़ पन का नाम है 'निराला'।

अपने जीवन में जितने दुख निराला ने झेले उतने दुःख

किसी कलाकार कवि ने शायद ही झेले हो, परन्तु 'निराला' ने कभी 'आँसू' नहीं बहाए। 'सरोज स्मृति' उनका एक मात्र शोक गीत है

और यह गीत संसार भर के शोकगीतों पर भारी है जिसमें उन्होने आत्म भाव से स्वीकार किया है। - ' दुख ही जीवन की कथा रही/क्या कहूं आज जो नहीं कही। धन्ये ! मै पिता निरर्थक था/कुछ भी तेरे हित कर न सका। उनकी प्रार्थनाओं में दैन्य



नहीं, निराशा नहीं है।

भारती की वंदना करते हुए 'भारति, जय विजय करे' की आकांक्षा करते हैं। वे वीणा वादिनी से प्रार्थना, अपने लिए नहीं भारत के लिए करते हैं - प्रिय स्वतंत्र रव, अमृत मंत्र नव भारत में भर दे। 'निराला' ने छंदों को तोड़ा, कविता को बंधन मुक्त किया लेकिन लय-ताल-रव-छन्द को नये ढंग से व्यक्त करने का आग्रह किया।

वे शब्द-शिल्प कथ्य की नवीनता के एक मात्र कवि है- नव गति, नवलय, ताल-छंद नव/नवल कंठ, नव जलद मंद्र रव/ नव नभ के नव विहंग वृंद को/ नव पर नव स्वर दो। इतनी नवीनता सिर्फ निराला ने ही हिन्दी कविता को दी। कविता, कहानी, उपन्यास, रेखाचित्र, संस्मरण, अनुवाद सभी विधाओं को निराला ने नया रूप दिया।

मिर्जा राजा जय सिंह के नाम शिवाजी का पत्र राष्ट्रीय गौरव का अमूल्य दस्तावेज है। जिसमें पारस्परिक वैमनस्य और क्षुद्र स्वार्थ के लिए जय सिंह की भांति भारत को पराधीन बनाने वालों से सहयोग करने वाले लोगों की आँखे खोलने के लिए यह पत्र पर्याप्त भर नहीं स्वाधीन भारत के लिए भी दिशा संकेत है।

भाषा के कई स्तर इस पत्र कविता में मिलते है।

'तुलसीदास और राम की शक्ति-पूजा' उनके काव्य का चरमोत्कर्ष है। इन रचनाओं में उन्होने आत्म-मुक्ति की साधना को नारी शक्ति-पूजा के माध्यम से व्यक्त किया है। 'निराला' भारतीय संस्कृति के सर्वोत्तम अंश के कवि हैं, परन्तु उन्होने जमीन पर रहने वाले भिक्षुक, दीन, विधवा, पत्थर तोड़ने वाली, झींगुर, महगू, कुकुरमुत्ता को हासिए पर नहीं केन्द्र में रखा।

जिस दलित चेतना का परचम लहराने की कवायद आज के दलित लेखक कर रहे हैं उनके बरक्श 'निराला' ने उन दलितों के साथ जीवन साझा किया था। एकमेव भाव से निराला कुल्ली भाट, बिल्लेसुर बकरिहा और चतुरी चमार से एकात्म थे।

'निराला' के काव्य में द्वैत नहीं है, जीवन में भी तमाम विसंगतियों के वावजूद वे द्विधा मुक्त थे। 'निराला' की जीवन पद्धति रवीन्द्रनाथ के समीप थी। वे अच्छे गायक, वादक,कवि सब एक साथ थे। वे रवीन्द्र संगीत की तरह निराला-संगीत की रचना कर सके थे। परन्तु जन्मना और कर्मना विपरीत पृष्ठ भूमि के कारण वे रवीन्द्र की तरह सफल न हो सके।

अपनों की दी हुई पीड़ा पर विफरे जरूर- वे कान्यकुब्ज कुल कुलांगार/ खा कर पत्तल में करें

छेद/ परंतु हारे नहीं इसलिए कि उनमें राष्ट्रीय चेतना के मूल भाव थे जो वैयक्तिक्ता से परे थे। छायावादी कविता में जहाँ निराशा, करूणा और आत्म पीड़ा का साम्राज्य दिखता है उनके बीच निराला एक मात्र ऐसा कवि हैं जिनकी कविता में ओज, प्रसाद, और सौंदर्य के गुण मौजूद हैं।

'निराला' ने पात्र और विषय के अनुसार भाषा को चुना- संध्या सुन्दरी, विधवा, जुही की कली आदि रचनाओं में जहाँ भाषा का औदार्य और गठन दिखायी पड़ता है वही भिक्षुक तोड़ती पत्थर में खड़ी बोली का सौंदर्य दिखायी पड़ता है।

तुलसीदास और राम की शक्ति पूजा में सामासिक और आभिजात्य भाषा का प्रयोग निराला को संस्कृत-साहित्य के करीब खड़ा कर देता है। आम बोल-चाल और गाली गलौज की भाषा से भी वे 'कुकुरमुत्ता' कविता में परहेज नहीं करते- अबे, सुन बे, ओ गुलाब/खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट/डाल पर इतरा रहा कैपिटलिस्ट/घड़ों पड़ता रहा पानी/तू हरामी खानदानी।

'निराला के काव्य पर वांग्ला साहित्य का प्रभाव है, वे रवीन्द्र, रामकृष्ण, विवेकानन्द और अरविन्द से प्रभावित हैं। उन्होंने हिन्दी अपनी पत्नी मनोहरा से सीखी थी। तुलसी के राम कभी ब्रहम ध्यान में लीन होते नहीं दिखते, निराला के राम पूरी पद्धति से ध्यान योग से शक्ति की आराधना कर वरदान प्राप्त करते हैं।

'राम की शक्ति पूजा' के राम मनुष्य अधिक हैं ईश्वर कम। यह शाक्त परंपरा का वैष्णवी परंपरा से निराला-संयोग है। 'निराला' भाषा, तेवर और शैली में ही प्रखर नहीं, व्यक्तित्व में भी अभी तक हिन्दी का कोई कवि उनके आगे नहीं है अपनी बात तर्क और हठ पूर्वक मनवा लेने में उनका कोई सानी नहीं।

# राहुल गांधी की देश-विरोधी बचकानी राजनीति

**-ललित गर्ग-**

एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नीचा दिखाने के इरादे से ऐसा बयान दिया है जो भारत की साख को आघात लगाने वाला है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता को ध्वस्त करने वाला है। राहुल गांधी किस तरह गैर जिम्मेदाराना बयान देने में माहिर हो गए हैं, यह इस कथन से फिर सिद्ध हुआ कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर इसलिए बार-बार अमेरिका जा रहे थे, ताकि भारतीय प्रधानमंत्री को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में बुलाया जाए। राहुल गांधी मोदी-विरोध में कुछ भी बोले, यह राजनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन वे मोदी विरोध के चलते देश-विरोध में जिस तरह के अनाप-शनाप दावे करते हुए गलत बयान देते हैं, वह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता एवं बचकानेपन को ही दर्शाता है। आखिर कब राहुल एक जिम्मेदार एवं विवेकवान प्रतिपक्ष के नेता बनेंगे?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राजनीति से हटकर भी गहरे व्यक्तिगत आत्मीय मित्रवत संबंध है, इसलिये उनका शपथ ग्रहण समारोह में बुलाने पर किसी तरह का संदेह नहीं हो सकता। लेकिन इस बात को लेकर राहुल के बयान पर हैरानी होना स्वाभाविक है। यही कारण है कि लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी की इस विचित्र बात पर आपत्ति जताई, बल्कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि वह ऐसी बात कहकर भारत की छवि खराब करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के झूठ का उद्देश्य राजनीतिक हो सकता है, लेकिन ऐसे झूठे, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान से भारत की छवि को गहरा नुकसान हुआ है। यह तय है कि विदेशी मंत्री के प्रतिवाद का राहुल गांधी की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। ऐसी मिथ्या बातें करके वे प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई अवसर नहीं चुकते। वह प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी को कोई महत्व नहीं देते। आखिर यह किसी से छिपा नहीं कि वह उनके खिलाफ तू-तड़ाक वाली अशालीन एवं अमर्यादित भाषा का उपयोग करते रहे हैं। विडंबना यह है कि इस आदत का परित्याग वह नेता प्रतिपक्ष का पद हासिल करने के बाद भी नहीं कर पा रहे हैं। समस्या केवल यह नहीं कि वह प्रधानमंत्री पद की गरिमा की परवाह नहीं करते। समस्या यह भी है कि वह प्रायः ऐसी बचकानी बातें कर जाते हैं, जो राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल होती हैं या दूसरे देशों से संबंधों पर बुरा असर डालती हैं।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष हैं और उन्होंने अन्य सांसदों





की ही तरह देश की अखंडता और एकता की रक्षा करने की शपथ ली थी, लेकिन उनके द्वारा समय-समय पर दिये गये वक्तव्य एवं टिप्पणियां पूरी तरह से राष्ट्र विरोधी है। ऐसा लगता है कि राहुल गांधी भारत विरोधी अलगाववादी समूह के नेता बनने की राह पर अग्रसर हैं और उनका इरादा भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को नष्ट करना और देश को गृहयुद्ध की ओर धकेलना है। इस तरह राहुल गांधी द्वारा देश में विभाजन के बीज बोने के प्रयास निंदनीय ही नहीं, घोर चिन्तनीय है। सत्ता के लालच में कांग्रेस एवं उनके नेता देश की अखंडता के साथ समझौता और आम आदमी के भरोसे को तोड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। राहुल के बयानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और आरएसएस से नहीं, बल्कि भारत से है। राहुल गांधी अक्सर भारत राष्ट्र अर्थात भारत के संविधान यानी आंबेडकर के संविधान के खिलाफ विषवमन करते दिखाई देते हैं। गांधी परिवार की 'मुंह में राम और बगल में छुरी' वाली कहावत जनता के सामने बार-बार आती रही है। आंबेडकर के अस्तित्व को नकार कर भारत के संविधान को बदलने के बाद गांधी परिवार देश का विभाजन, दुश्मन देश के नेताओं एवं शक्तियों के सपनों का टुकड़ों वाला भारत चाहता है। आखिर राहुल गांधी और कांग्रेसी किस बात के लिए संविधान की प्रति लेकर चलते हैं? इस तरह एक गैर जिम्मेदार और बचकाने नेता का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होना क्या देश का दुर्भाग्य नहीं है? राहुल गांधी को गंभीर आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है।

राहुल गांधी अपने आधे-अधूरे, तथ्यहीन एवं विध्वंसात्मक बयानों को लेकर निरन्तर चर्चा में रहते हैं। उनके बयान हास्यास्पद होने के साथ उद्देश्यहीन एवं उच्छृंखल भी होते हैं। राहुल ने पहले भी बातों-बातों में यह कहा था कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है। वह देश के प्रमुख विपक्षी दल के नेता हैं। सरकार की नीतियों से नाराज होना, सरकार के कदमों पर सवाल उठाना उनके लिए जरूरी है। राजनीतिक रूप से यह उनका कर्तव्य भी है। लेकिन चीन के साथ उनकी सहानुभूति अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है। ऐसे ही सवालों में आज तक इस सवाल का जवाब भी नहीं मिला कि आखिर राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से चंदा लेने की जरूरत क्यों पड़ी? वह यह नहीं बताते कि 2008 में अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान सोनिया गांधी और उन्होंने कम्युनिस्ट पार्टी से समझौता क्यों किया था? इतना ही नहीं, जब राहुल गांधी राफेल विमान सौदे में कथित दलाली खोज लाए थे, तो यहां तक कह गए थे कि खुद फ्रांस के राष्ट्रपति ने उन्हें बताया था कि दोनों देशों में ऐसा कोई समझौता नहीं, जो राफेल विमान की कीमत बताने से रोकता हो। उनके इस झूठ का खंडन फ्रांस की सरकार को करना पड़ा था। डोकलाम विवाद के समय वह भारतीय विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना किस तरह चीनी राजदूत से मुलाकात करने चले गए थे। जब इस मुलाकात की बात सार्वजनिक हो गई तो उन्होंने यह विचित्र दावा किया कि वह वस्तुस्थिति जानने के लिए चीनी राजदूत से मिले थे। क्या इससे अधिक गैरजिम्मेदाराना हरकत और कोई हो सकती है?

राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना बयानों से यही पता चलता है कि उन्हें न तो प्रधानमंत्री की बातों पर यकीन है, न रक्षा मंत्री की और न ही विदेश मंत्री की। यह भी स्पष्ट है कि उन्हें शीर्ष सैन्य अधिकारियों पर भी भरोसा नहीं। ध्यान रहे, वह सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर भी बतूके सवाल खड़े कर चुके हैं। उनकी कार्यशैली एवं बयानबाजी में अभी भी बचकानापन एवं गैरजिम्मेदाराना भाव ही झलकता है। लगता है कांग्रेस के शीर्ष नेता एवं प्रतिपक्ष के नेता होने के कारण वे अहंकार के शिखर पर चढ़ बैठे हैं, निश्चित ही राहुल के विष-बुझे बयान इसी राजनीतिक अहंकार से उपजे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत के सबसे बड़े दुश्मन राष्ट्र की वे तरफदारी करते एवं चीन के एजेंडे को बल देते नजर आते हैं। उनका यह रवैया नया नहीं, लेकिन यह देश के लिये घातक है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के मोदी सरकार के फैसले की राहुल गांधी की अनावश्यक आलोचना को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाने का काम किया था। अब भी वह सीमा विवाद पर चीन की बातों को अहमियत देते हैं और भारत सरकार की जानकारी पर यकीन नहीं करते। जनता यह गहराई से देख रही है कि राहुल किस तरह गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता-शौर्य-बलिदान पर सवाल उठाते रहे हैं, भारत की बढ़ती साख, सुरक्षा एवं विकास की तस्वीर को बट्टा लगा रहे है। यह समझ आता है कि वह घरेलू मुद्दों पर सरकार को घेरें और उसकी आलोचना करें, लेकिन कम से कम ऐसी निराधार और मनगढ़ंत बातें तो न करें, जिससे प्रधानमंत्री पद का उपहास उड़े, देश हित आहत हो।

उल्लेखनीय बात यह है कि निन्दक एवं आलोचक कांग्रेस को सब कुछ गलत ही गलत दिखाई दे रहा है। मोदी एवं भाजपा में कहीं आहट भी हो जाती है तो कांग्रेस में भूकम्प-सा आ जाता है। मजे की बात तो यह है कि इन कांग्रेसी नेताओं को मोदी सरकार की एक भी विशेषता दिखाई नहीं देती, कितने ही कीर्तिमान स्थापित हुए हो, कितने ही आयाम उद्घाटित हुए हो, कितना ही देश को दुश्मनों से बचाया हो, कितनी ही सीमाओं एवं भारत भूमि की रक्षा की हो, कितना ही आतंकवाद पर नियंत्रण बनाया हो, कितनी ही देश के तरक्की की नई इबारतें लिखी गयी हो, समूची दुनिया भारत की प्रशंसा कर रही हो, लेकिन इन राहुल एवं कांग्रेसी नेताओं को सब काला ही काला दिखाई दे रहा है। कमियों को देखने के लिये सहस्राक्ष बनने वाले राहुल अच्छाई को देखने के लिये एकाक्ष भी नहीं बन सके हैं?

# महाकुंभ सनातनी आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम

**- डॉ. राघवेंद्र शर्मा**

आजकल जहां देखो वहां महाकुंभ की ही चर्चा है। हो भी क्यों ना, आखिर यह महापर्व पूरे 144 साल बाद आया है। इस महापर्व को लेकर सभी के भिन्न-भिन्न मत हैं। कोई इसके भौतिक स्वरूप को ही सनातन साबित करने में लगा हुआ है। तो कुछ-कुछ कालनेमि स्वरूप स्वयंभू विद्वानों ने इसमें खोज खोज कर कमियां निकालने का काम हाथ में ले रखा है। इन सबसे बेखबर जो श्रद्धालु हैं और संत, महात्मा, साधु, सन्यासियों का जो हुजूम है, वह अपनी मस्ती में मस्त है और स्वयं को अमृत की बूंद को प्राप्त करने में सफल मानकर आनंदित है। और ज्यादा गहनता से देखेंगे तो हमें महाकुंभ के अनेक स्वरूप और पहलू देखने को मिल जाएंगे। जैसे गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा भी है -

जाकी रही भावना जैसी।
प्रभु मूरत देखी तिन्ह तैसी।।

या फिर विद्वानों के लिए लिखा गया है-

हरि अनंत हरि कथा अनंता।
कहई सुनई बहु विधि बहू संता।।

अर्थात इस महापर्व कुंभ को जो जिस भावना से देख रहा है वह उसका उतना ही स्वरूप देख पा रहा है। या फिर यूं कहा जाए कि महाकुंभ को लेकर जितने मत हैं उतनी ही बातें हैं। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि हम इसके वास्तविक स्वरूप को जान पाएं और अन्य लोगों की जिज्ञासाओं को भी शांत कर सकें। शायद तब संभव हो पाए और हम हमारे त्यौहारों को लेकर उठने वाले सवालों का स्थाई रूप से शमन कर पाएं। इसके लिए सबसे ज्यादा जरूरी बात यह है कि हम पहले अपने त्योहारों, संस्कारों, संस्कृतियों और सनातन के बारे में सामान्य ज्ञान तो हासिल कर ही लें। उदाहरण के लिए- हमें यह पता होना चाहिए कि आखिर कुंभ मनाया क्यों जाता है और यह महाकुंभ क्या है। यदि धार्मिक ग्रंथो का अध्ययन करें तो पता चलेगा कि कुंभ और महाकुंभ का समुद्र मंथन से गहरा नाता है। जब इंद्र सहित अधिकतम देवताओं से रुष्ट होकर दुर्वासा मुनि ने उन्हें शक्ति छीण होने का श्राप दिया तो देवताओं का पराभव होने लगा। फल स्वरुप आसुरी शक्तियां प्रबल होने लगीं और देवता उनसे हार कर यहां वहां शरण लेने को बाध्य हुए हो गए। तब विचार विमर्श किया गया कि आखिर देवताओं को शक्ति मिले तो मिले कैसे? कैसे देवता एक बार पुनः आसुरी शक्तियों को पराजित कर पाएं और अपने ऐश्वर्या वैभव को हासिल कर सकें! तब एक रास्ता यह निकला की समुद्र मंथन किया जाए। इसमें से अन्य जो भी रत्न प्राप्त हों, लेकिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण अमृत होगा। यदि यह अमृत देवताओं के हाथ लग जाए तो यह वर्ग एक बार फिर स्वर्ग सहित अन्य ऐश्वर्य वैभवपूर्ण स्थानों पर अपना आधिपत्य हासिल कर सकेगा। तब एक सुनियोजित रणनीति के तहत असुरों से बात की गई। भगवान भोलेनाथ को मध्यस्थ बनाकर समुद्र मंथन के लिए असुरों को तैयार किया गया। इस प्रकार समुद्र मंथन शुरू हुआ। जिसमें मंदराचल पर्वत को मथानी बनाया गया और वासुकी नाग का रस्सी की तरह प्रयोग किया गया। इस समुद्र मंथन से कुल 14 रत्न प्राप्त हुए। उनके नाम क्रमशः कालकूट बिष, कामधेनु गाय, उच्चैश्रवा अश्व, ऐरावत हाथी, कौस्तुभ मणि, कल्पवृक्ष, रंभा नाम की अप्सरा, लक्ष्मी देवी, वारुणी, चंद्रमा, पारिजात वृक्ष, पांचजन्य शंख, और अमृत, हाथ में लेकर प्रकट हुए धन्वंतरि भगवान। सबसे आखरी में जो अमृत कलश प्राप्त हुआ, उसे लेकर देवताओं और असुरों में युद्ध छिढ़ गया। हर कोई अमृत पीकर अमर हो जाना चाहता था। इसे असुरों से बचाने की पहली जिम्मेदारी इंद्र के पुत्र जयंत को मिली। वह अमृत कलश लेकर स्वर्ग की ओर भागा तो असुरों से झड़प हो गई। फल स्वरुप अमृत की कुछ बूंदें कलश से छलक कर चार स्थानों पर गिर पड़ीं। इन स्थानों के नाम हैं उज्जैन, नासिक, हरिद्वार और प्रयागराज। यही वे चारों स्थान हैं जहां पर क्षिप्रा, गोदावरी, गंगा जी और त्रिवेणी संगम पर 12 साल के अंतर से कुंभ पर्व आयोजित होते हैं। कुंभ महापर्व 12 साल में एक बार ही क्यों आयोजित होता है? इस बारे में जानकारी मिलती है कि यह देव असुर संग्राम पूरे 12 दिनों तक चला। चूंकि देवताओं का एक दिवस मनुष्यों के एक वर्ष के बराबर होता है। यही वजह है कि देवताओं के 12 दिन बीतते हैं तब तक पृथ्वी पर 12 साल का समय गुजर जाता है। फल स्वरुप एक स्थान पर कुंभ का मेला 12 साल के अंतर से ही संपन्न हो पता है। जबकि चारों स्थानों पर क्रमशः आयोजित होने वाले कुंभ के मेलों में चार-चार सालों का अंतर बना हुआ है। जब प्रत्येक स्थान पर 12 - 12 कुंभ आयोजित हो जाते हैं तब इनमें से अंतिम कुंभ को महाकुंभ कहा जाता है, जो 144 वर्ष के बाद आयोजित होता है और इसके लिए प्रयागराज स्थान धर्म शास्त्रों द्वारा नियत है। इस हिसाब से देखा जाए तो पिछला महाकुंभ पर्व सन 1881 में पड़ा था और अब अगला महाकुंभ पर्व सन 2169 में पड़ने वाला है। यानि जिन लोगों ने पिछला महाकुंभ देखा वे अब जीवित नहीं है और जो लोग 2025 का कुंभ महापर्व देख पा रहे हैं वह 2169 का कुंभ महापर्व नहीं देख पाएंगे। इस दृष्टि से 2025 का कुंभ महापर्व अति विशिष्ट हो चला है। यही वजह है कि केवल देश भर से ही नहीं, बल्कि दुनिया भर से सनातन श्रद्धालु महाकुंभ की ओर बढ़ चले हैं और बढ़ते ही चले जा रहे हैं। हर कोई त्रिवेणी संगम पर आयोजित महाकुंभ में अमृत की बूंदे पा लेना चाहता है और अपने पापों को धोने का शुभ अवसर हाथों से नहीं जाने देना चाहता।

कुंभ का मेला खगोलीय विज्ञान के हिसाब से भी भारत की विद्वता को वैश्विक स्तर पर प्रतिपादित करता है। क्योंकि 12 साल में कुंभ लगने का एक कारण बृहस्पति ग्रह की गति को भी माना जाता है, जो इस प्रकार है -

जब बृहस्पति ग्रह, वृषभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मकर राशि में आते हैं, तो कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में होता है। इसी तरह जब बृहस्पति, कुंभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मेष राशि में आते हैं, तो कुंभ आयोजन हरिद्वार में होता है। सूर्य और बृहस्पति जब सिंह राशि में हों तब महाकुंभ मेला नासिक में लगता है। जब देवगुरु बृहस्पति सिंह राशि में हों और सूर्य मेष राशि में हों, तो कुंभ का मेला उज्जैन लगता है।

कुंभ स्नान का महत्व हिंदू धर्मग्रंथों में विस्तार से वर्णित है। मान्यता है कि कुंभ में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस बारे में भी सनातन का सदैव विरोध करने वाले कालनेमियों द्वारा कुतर्क दिए जाते हैं कि कुंभ मेले में कुछ नदियों में स्नान भर कर लेने से लोगों के पाप कैसे धुल सकते हैं?भगवान शंकर से एक बार माता पार्वती ने पूछा कि गंगा नदी में स्नान करने से क्या वास्तव में जीव मात्र के पाप धुल जाते हैं? तो भोलेनाथ ने प्रण पूर्वक कहा हां यह सत्य है। अपने कथन को प्रमाणित करने के लिए भगवान शंकर कुष्ठ रोगी का बेहद घृणित स्वरूप बनाते हैं और माता पार्वती को अपूर्व सुंदरी बनाकर गंगा तट पर पहुंच जाते हैं। यहां माता पार्वती गंगा तट पर आए अनेक लोगों से अनुनय विनय करती हैं। मेरे पति को गंगा की धारा तक पहुंचा दो, आपकी कृपा होगी। लेकिन भगवान शंकर का घृणित स्वरूप देखकर हर कोई नाक भों सिकोड़ता है तथा आगे बढ़ जाता है। इसी के साथ अधिकांश लोगों की रुचि माता पार्वती के यौवन एवं रूप लावण्य में संलग्न दिखाई देती है। दिन ढलने के बाद एक मस्त मौला श्रद्धालु दिखाई देने पर माता पार्वती उससे भी वही प्रार्थना करती हैं। वह व्यक्ति कहता है कि माता तेरा पति बहुत भारी है। मैं अकेला इसे नहीं ले जा पाऊंगा। इसके एक कंधे को तू सहारा दे, एक कंधे को मैं सहारा देता हूं। दोनों इसे गंगा की धारा में ले जाकर नहलाते हैं। गंगा जी में पाप धुलने से शायद इसका कुष्ठ रोग दूर हो जाए! माता पार्वती और वह युवक सहारा देकर शंकर जी को गंगा की धारा में ले गए और उन्हें प्रेम पूर्वक स्नान कराया। युवक का धर्म और दायित्व के प्रति निश्छल प्रेम एवं समर्पण देखकर भगवान शंकर प्रसन्न हो गए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

# विधानसभा पूर्व नेता प्रतिपक्ष के जबलपुर आगमन पर कांग्रेस जनों द्वारा भव्य स्वागत




**जबलपुर।** मध्य प्रदेश विधानसभा पूर्व नेता प्रत्यक्ष अजय सिंह राहुल भैया ने सिंघई पैलेस सिविल लाइन में शहर के प्रबुद्ध जनों से चाय पे चर्चा कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चौधरी पूर्व विधायक विनय सक्सेना नित्यरंजन खमपरिया गुलाब सिंह बघेल प्रदेश उपाध्यक्ष (ओबीसी विभाग) टीकाराम कोष्टा राजेश पटेल पवन नामदेव एजाज अहमद डॉक्टर मोइन अंसारी एडवोकेट सिसोदिया पप्पू तसमेर प्रशांत मिश्रा नरूल्ला प्रवेन्द चौहान सन्टी सोनकर राजेंद्र शराफ आदि ने उसे पुष्पा हारो से स्वागत किया।

# महाकुंभ प्रयागराज में भागवत महापुराण कथा का आयोजन, भोजन और ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था

**ओवैसुल्लागंज (संवाददाता)।** औबेदुल्लागंज नगर के प्रसिद्ध



कथा वाचक पंडित संतोष तिवारी शास्त्री की कथा प्रयागराज महाकुंभ में होने जा रही है सेक्टर नंबर 21 परमार्थ नगर खालसा में महामंडलेश्वर 1008 महंत श्री केशव जी महाराज परमहंस के सानिध्य में, सभी भक्तों के लिए भोजन एवं रहने की निशुल्क व्यवस्था रहेगी कथा 5 फरवरी से 11 फरवरी तक चलेगी कथा वाचक पंडित संतोष तिवारी शास्त्री ने बताया माघ के महीने में जब सूर्य देव उत्तरायण होते हैं, उस समय प्रयागराज में स्नान करने का विशेष महत्वहै?, देव दनुज किन्नर नर श्रेणी, सादर मज्जहिं शकल त्रिवेणी। गंगा यमुना एवं अदृश्य सरस्वती का संगम, जिसमें स्नान करने से प्राणी भवसागर से तर जाता है वहां पर दान, यज्ञ ,हवन करने से पुरखों का मोक्ष होता है और अन्न, धन से पूर्वज परिपूर्ण करते हैं ,144 साल बाद ऐसा संयोग आएगा इसीलिए सभी भक्तों को महाकुंभ में स्नान करके अपने जीवन को धन्य बनाना चाहिए

# मप्र नाट्य विद्यालय के अकादमिक भवन का किया लोकार्पण

**दमोह।** संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के




नए अकादमिक भवन का लोकार्पण किया। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र है और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में हम सब इसी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। आने वाले समय में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की तर्ज पर विकसित किया जायेगा।राज्य मंत्री लोधी ने बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन कर भवन की गतिविधियों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला, संचालक संस्कृति एन. पी. नामदेव, निदेशक टीकम चंद्र जोशी, विद्यालय के शिक्षकगण, अलग-अलग क्षेत्रों के कलाकार एवं कलाप्रेमी उपस्थित रहे।

# साइबर फ्रॉड से बचने के लिए कॉलेज को बच्चों को किया जागरूक

**औबेदुल्लागंज (संवाददाता)।** साइबर सुरक्षा ( सेफ क्लिक ) जागरूकता अभियान पुलिस अधीक्षक रायसेन पंकज कुमार पाण्डेय के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के मार्गदर्शन में एसडीओपी औबेदुल्लागंज शीला सुराणा एवं प्रभारी औबेदुल्लागंज निरी. भरत प्रताप सिंह के नेतृत्व में औबेदुल्लागंज पुलिस



द्वारा वीर सावरकर महाविद्यालय में सुरक्षा अभियान के तहत सायबर फ्रॉड ओटीपी एवं डिजिटल अरेस्टिंग से बचने के संबंध में, झूठे एप्स के बारे में सतर्क रहे, फेक चड्ढष्ट अपडेट लिंक से अलर्ट रहे फर्जी लोन ऐप से बचे, अनजान लिंक न खोले एवं सायबर फ्रॉड होने के स्थिति में टाल फ्री नं. 1930 कॉल करने संबंधी जानकारी से लोगो को एवं स्कूल छात्र-छात्राओ को जागरूक किया गया। साइबर क्राइम के संबंध में विस्तार से समझाईस दी जाकर साइबर क्राइम से बचने के संबंध में जागरूक किया गया।

# शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से समन्वय से संवाद करना चाहिए

**रतलाम।** शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से समन्वय से संवाद करना चाहिए।योजनाओं की समीक्षा निरंतर होना चाहिए। उक्त बात जावरा विधायक डॉ राजेन्द्र पांडेय ने उज्जैन में प्रदेश के अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ राजेश राजौरा की अध्यक्षता में आयोजित उज्जैन सम्भाग के विधायको व प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त बैठक में उपस्थित होकर कही।बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा के दौरान विधायक डॉ पांडेय ने जावरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यो के बारे में चर्चा की ।इसके अलावा प्रमुख रूप से उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाईवे में भूतेड़ा फंटा से मन्दसौर रोड पहुँच मार्ग में संशोधन करने,बरगढ़ फंटा से भैसाना फंटा मार्ग निर्माण में मुआवजा दिए जाने में लेटलतीफी होने और कार्य धीमी गति से चलने,शुगर मिल बहु उत्पाद औद्योगिक क्षेत्र में निवेशकों को पानी व बिजली की सुविधा देकर उद्योग प्रारंभ करने की अनुमति देने,जावरा व पिपलौदा विकासखण्ड के डार्क जोन होने की स्थिति में चंबल व गांधीसागर या अन्य स्त्रोत से ड्रिप एरिगेशन व सूक्ष्म दाब सिंचाई योजना बनाये जाने,मॉडल स्कूल स्टॉफ क्वार्टर निर्माण होने के बाद हैंडओवर नही किये जाने,विद्युत ट्रांसफार्मर के परिवहन की राशि दिए जाने,जल जीवन मिशन की योजनाओं के हैं।

# विधिविधान से वाग्देवी सरस्वती का भोजशाला में हुआ पूजन

## शोभायात्रा के साथ तीन दिनी वसंतोत्सव की हुई शुरूआत, नगरवासियों ने लगाए जयकारे

**धार।** भोजशाला में सोमवार को तीन दिवसीय वसंत पंचमी पर्व की शुरूआत की गई। सूर्योदय से ही इस आयोजन का आगाज हुआ। वसंत उत्सव के दौरान लाला बाग से मां सरस्वती की तस्वीर को विराजित कर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बैंडबाजे, ढोल-धमाके आदि शामिल किए गए। शहर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत करने वालों का हुजूम मौजूद रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। धर्म ध्वजा लेकर चल रहे लोग जयकारे लगाते रहे। वसंत पंचमी पर ऐतिहासिक भोजशाला में मां वाग्देवी जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिमा की तस्वीर विराजित कर उत्तम स्वामी जी ने पूजा-अर्चना की। यज्ञकुंड में आहुतियां दी गई। सूर्योदय के साथ ही भोजशाला में मां वाग्देवी की पूजा का क्रम शुरू हुआ जो सूर्यास्त तक जारी रहा। शोभायात्रा में हजारों भक्तों ने सहभागिता की। शोभायात्रा प्रमुख मार्गों से होते हुए भोजशाला पहुंची। जहां पर महा आरती के बाद धर्मसभा हुई। इसको उत्तम स्वामी महाराज ने संबोधित किया। उन्होंने सबका आह्वान किया कि हमें अपनी संस्कृति को नहीं छोड़ना है। इस आयोजन को लेकर पुलिस ने भी सख्त बंदोबस्त किए गए थे। सुरक्षा को लेकर भोजशाला के मुख्यद्वार से लेकर परिक्रमा मार्ग तक बैरिकेड्स लगाए गए। दर्शन के लिए आने वाले लोग इन बैरिकेड्स के माध्यम से गुजरते देखे गए। साथ ही 70 से अधिक स्थानों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए। सुरक्षा के नोडल अधिकारी एएसपी डॉ इंद्रजीत बाकलवार ने बताया कि भोजशाला सहित 200 मीटर का एरिया पुलिस छावनी बना रहा है। 700 से अधिक पुलिसकर्मी मुस्तैदी से तैनात रहे। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती,



भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेड़ा, वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक जैन, पार्षद अजित जैन आदि जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी पूजन और हवन के दौरान मौजूद रहे।

## मनरेगा से पन्नालाल सोलंकी को मिला सहारा

# स्ट्रॉबेरी की खेती ने पन्नालाल की बदली तकदीर, बना लखपति

खरगोन जिले के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र झिरन्या में स्ट्रॉबेरी की खेती करना एक सपना जैसा है। कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है कि इस अति पिछड़े क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती हो सकती है। लेकिन इस कल्पना और सपने को पन्नालाल सोलंकी ने साकार करके दिखा दिया है। मनरेगा योजना की मदद लेकर पन्नालाल ने स्ट्रॉबेरी की खेती में सफलता हासिल कर ली है और इससे वह लखपति बन गया है। पन्नालाल अन्य किसानों के लिए भी एक आदर्श और प्रेरणास्त्रोत बन गया है। आत्मा परियोजना द्वारा पन्नालाल और उसके पुत्र विजय को स्ट्रॉबेरी की खेती का व्यवहारिक ज्ञान तथा डेमोंसट्रेशन दिया गया। पन्नालाल और उसके पुत्र विजय सोलंकी द्वारा अपने खेत में लगभग एक बीघा में 2000 स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाए गए हैं। इन पौधों से 2 से 3 माह में स्ट्रॉबेरी बेचकर डेढ़ लाख की आय प्राप्त होने लगी है। अब पन्नलाल और उसके पुत्र विजय सोलंकी को कहीं मजदूरी करने की आवश्यकता नहीं रह गई है। पूरा परिवार स्ट्रॉबेरी की खेती में ही लगा रहता है। स्ट्रॉबेरी की खेती में ड्रिप व मल्चिंग का भी उपयोग किया जा रहा है। विजय सोलंकी द्वारा बताया गया कि उसे अब बाहर मजदूरी करने की आवश्यकता नहीं है। वह अपने परिवार के साथ स्ट्रॉबेरी की खेती में खुश है तथा इसे बढ़ाना चाहता है। ताकि इंदौर, भोपाल, मुंबई के मार्केट में बड़े स्तर पर स्ट्रॉबेरी बेची जा सके। वर्तमान में स्ट्रॉबेरी खरगोन में ही बिक जाती है।

# अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी का उद्बोधन आज

**सिवनी।** राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति सम्मान से विभूषित एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी जी का प्रथम नगरागमन दिनांक 4 फरवरी 2025 को सिवनी में होने जा रहा है, जहाँ वे ब्रह्माकुमारीज सेवा केन्द्र सिवनी द्वारा पॉलीटेक्निक ग्राउण्ड में आयेजित कार्यक्रम में ÷ उज्जवल भविष्य के लिए एक नई शुरुआत विषय पर विशाल जन समूह के समक्ष अपना उ?द्बोधन देगी।

कार्यक्रम के संबंध में ब्रह्माकुमारी संस्थान की जिला प्रभारी आदरणीय राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी जी ने बतलाया कि कार्यक्रम को सुचारु एवं सफल बनाने के लिए व्यापक प्रबंध किये गये हैं। पॉलीटेक्निक मैदान में विशाल एवं भव्य पण्डाल का निर्माण कराया गया है, जहाँ मीडिया से जुड़े भाई बहन एवं जिले से आमंत्रित मुख्य अतिथि गणों हेतु बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम शाम 4:30 बजे से गुजरात से पधारी प्रसिद्ध गायिका ब्रह्माकुमारी डॉ. दामिनी द्वारा भव्य संगीत संध्या एवं माण्उट आबू से पधारे अंतर्राष्ट्रीय माइंड एवं मेमोरी गुरु आदरणीय ब्रह्माकुमार शक्ति राज सिंह के द्वारा प्रेरणादायी उद्बोधन तत्पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नृत्य नाटिका प्रस्तुत किये जायेंगे। संध्या 5:30 बजे शिवानी दीदी एवं ब्रह्माकुमारी इंदौर जोन की क्षेत्रीय निर्देशिका आदरणीय ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी जी के गरिमामय उपस्थिति में आमंत्रित अतिथिगणों के करकमलों द्वारा दीप प्रज्जलन होगा। दीप प्रज्वलन के पश्चात शिवानी दीदी जी का दिव्य उद्बोधन 7:30 बजे तक होगा। संपूर्ण कार्यक्रम लाइव रहेगा। कार्यक्रम में अपना स्थान सुनिश्चित करने के लिए संस्थान द्वारा वितरित गेट पास अवश्य लायें। प्रवेश, पहले आओ पहले पाओं के आधार पर सुरक्षित रहेगा। सभी 4:30 बजे तक अपना स्थान ग्रहण कर लें।

टू व्हीलर, फोर व्हीलर पार्किंग की व्यवस्था पॉलीटेनिक कॉलेज के पश्चिम भाग में जहाँ मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम की बस पार्किंग व्यवस्था थी वही रहेगी।

दीदी जी ने आगे बतलाया कि शिवानी दीदी जी के कार्यक्रम के पश्चात दिनांक 5,6,7 एवं 8 फरवरी से प्रातः 7 से 8:30 बजे एवं शाम 6 से 7:30 बजे तक मैजिक ऑफ मेडीटेशन शिविर का आयोजन स्मृति लॉन, बारापत्थर

## सर्राफा दुकान में चोरी के महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगेः पुलिस अधीक्षक

**छतरपुर।** जिला अग्रवाल समाज एवं सर्राफा एसोसिऐशन के अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल की सर्राफा दुकान प्रभात ज्वैलर्स पर हुई चोरी का खुलासा शीघ्र करने की मांग को लेकर सोमवार को जिला अग्रवाल समाज और सर्राफा एसोसिऐशन ने संयुक्त रूप से एसपी अगम जैन को ज्ञापन सौंपा। इस संबंध में एसपी अगम जैन ने बताया कि इस चोरी के मामले में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। आरोपी 2 नहीं बल्कि 4 थे। पुलिस मामले की जांच में लगी है जल्दी ही अपराधी पकड़ लिए जाएंगे।

ज्ञापन में बताया गया कि जिला अग्रवाल समाज एवं सर्राफा एसोसिऐशन के अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल की चौक बाजार स्थित की सर्राफा दुकान प्रभात ज्वैलर्स पर 30 जनवरी की दोपहर करीब 3 बजे पहुंचे दो बदमाशों ने 40 ग्राम सोने के आभूषण की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात के बाद बदमाश चौक बाजार से कोतवाली रोड पर पहले से रखी दो मोटर साइकिलों से अन्य दो लोगों के सहयोग से रफू चक्कर हो गये थे। इन बदमाशों की सीसीटीवी फुटेज और फोटो के साथ घटना दिनांक को ही सिटी कोतवाली में एफआईआर दर्ज करा दी गई थी लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। ज्ञापन में एसपी से मांग की गई कि बीच बाजार में घटी इस वारदात का शीघ्र खुलासा कराया जाए। ताकि व्यापारियों में सुरक्षा का माहौल बना रहे।

# भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे का मारूताल में किया गया स्वागत

**दमोह।** भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे का मारूताल में भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के द्वारा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष अध्यक्ष श्याम शिवहरे की भव्य आगवानी ढ़ोल ढमाके की धुन पर आतिशबाजी कर हनुमान मंदिर परिसर पहुंचे जहां पर सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। हनुमान चालीसा पाठ के उपरांत स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन भाजपा के पितृ पुरूष पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने 108 तुलसी की माला साल श्रीफल से भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे का सम्मान किया गया।

नवनिर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने संबोधित करते हुए कहा है कि यह सम्मान मेरा नहीं है। बल्कि भाजपा के कार्यकर्ता का सम्मान है। भाजपा कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में 24 घंटे साथ रहूंगा। उन्होंने भाजपा के नये कार्यकर्ताओं को बताया कि एक समय ऐसा था जब मारूताल में पार्टी के कार्यकर्ता नहीं थे। मारूताल में कांग्रेस का गढ़ था लेकिन हमने कांग्रेस के गढ़ को तोड़ा और मेरे सम्मुख जो इतने सारे कार्यकर्त्ता मौजूद हैं इन्हीं भाजपा कार्यकर्ताओं की बदौलत लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिली है। मारूताल शक्ति केन्द्र के भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील है कि मेरा सम्मान तब चौगुना हो जाएगा जब आगामी चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत होगी। मारूताल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुझे जो स्नेह और प्यार दिया है। उसके लिए समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हैं। इस दौरान मारूताल के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता सरपंच नारायण राय, विजय यादव, विकास राजपूत, लच्छू आदिवासी का सम्मान किया गया।

# 24 फरवरी को जारी होगी पीएम किसान सम्मान की 19वीं किस्त

**नईदिल्ली।** भारत सरकार द्वारा कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक मदद दी जा रही है। इसमें से एक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके तहत पात्र किसानों को साल में तीन बार 2-2 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि और उनके आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाना है। वर्ष 2018 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 18 किस्तें किसानों के बैंक खाते में भेजी जा चुकी हैं और किसान अब 19वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। चलिए जानते हैं किसान सम्मान निधि योजना की अगली किस्त कब आएगी...

**अब तक जारी हो चुकी हैं 18 किस्त** बता दें कि साल 2018 में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की थी। यह योजना किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना बन चुकी है। इस योजना के माध्यम से देश के 9 करोड़ से ज्यादा किसानों को सालाना 6 हजार की सहायता राशि दी जाती है। यह राशि तीन किस्तों में किसानों के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की जाती है। नियम के अनुसार, अप्रैल-जुलाई के बीच पहली किस्त, अगस्त से नवंबर के बीच दूसरी किस्त और दिसंबर से मार्च के बीच तीसरी किस्त जारी की जाती है। किसानों के खाते में अब तक 18 किस्त भेजी जा चुकी हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अनुसार, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त 24 फरवरी 2025 को किसानों के खाते में भेजी जाएगी। पीएम नरेंद्र मोदी स्वयं इस किस्त को जारी करेंगे। पीएम मोदी 9.3 करोड़ किसानों के खाते में 2,000 रुपए की राशि ट्रांसफर करेंगे। इस दौरान पीएम मोदी बिहार के भागलपुर में होंगे। साथ ही लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे।

इस योजना का लाभ उन किसानों को मिलता है जिनके पास 2 हेक्टेयर ( 5 एकड़) तक भूमि है और जो भारतीय नागरिक हैं। यदि आपने अब तक द्गयङ्कष्ट नहीं कराया है, तो 19वीं किस्त से पहले इसे पूरा करना आवश्यक है।

# इको क्लब द्वारा विश्व वेटलैंड आद्रभूमि दिवस का आयोजन

**इटारसी** ।आयुक्त, उच्च शिक्षा म. प्र. शासन, भोपाल के निर्देशानुसार एवं इको क्लब द्वारा विश्व वेटलैंड दिवस का आधार भूमि की भूमिका एवं महत्व के दृष्टिगत रखते हुए अद्रभूमि एवं पर्यावरण संरक्षण के विषय में जागरूक करने हेतु मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. एस. मेहरा ने कहा कि विश्व वेटलैंड्स दिवस 2025 की थीम हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमियों की रक्षा करना है, यह विषय सभी लोगों के कल्याण के लिए इन प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए साहसिक कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करता है, ताकि भावी पीढ़ियां आर्द्रभूमियों से लाभ उठा सकें। आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. हरप्रीत रंधावा ने कहा कि वेटलैंड्स यानी आर्द्रभूमि, मानव कल्याण एवं पर्यावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इको क्लब प्रभारी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय आर्य ने बताया कि आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये कई जलीय जीव, जंतुओं का आवास होते हैं। इतना ही नहीं ये प्रवासी पक्षियों के रहने के भी अनुकूल होते हैं। इनके लुप्त होने से पारिस्थितिकी तंत्र



से जुड़ी चीज़ों को भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए इसका संरक्षण बहुत जरूरी है। श्री स्नेहांशु सिंह ने रामसर कन्वेंशन वेटलैंड के साथ ही विभिन्न प्रकार के वेटलैंड के विषय मे विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर प्राध्यापकों द्वारा भी व्यक्तिगत कहानी व अपने अनुभव साझा किये गए। आद्रभूमि संरक्षण पर वीडियो का प्रदर्शन का आयोजन तथा प्राचार्य द्वारा छात्राओं को आद्रभूमि संरक्षण की शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम में डॉ. हरप्रीत रंधावा, श्रीमती मंजरी अवस्थी, डॉ. संजय आर्य, श्री स्नेहांशु सिंह, श्री रविन्द्र चौरसिया, डॉ. शिखा गुप्ता, श्री हेमंत गोहिया, करिश्मा कश्यप, कु. प्रिया कलोसिया, श्रीमती शोभा मीणा तथा छात्राएं उपस्थित थी।

# पीएससी टॉपर बनी दो बच्चों की मां, विवाह के 12 वर्ष बाद रचा इतिहास



**नीमच।** सच यही है कि यदि आपकी इच्छाशक्ति मजबूत हो तो बड़े से बड़े कार्य में सफलता को पाया जा सकता है. यही कर दिखाया है नीमच की रहने वाली प्रियंका दांगी ने इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है. प्रियंका अपने विवाह के 12 साल बाद अपनी मजबूत इच्छाशक्ति और लगन से क्क्रस्ष्ट की परीक्षा क्रैक कर असिस्टेंट प्रोफेसर बन गई. प्रियंका ने न सिर्फ पहले ही प्रयास में यह सफलता प्राप्त की, बल्कि पूरे प्रदेश में पहली रैंक भी हासिल की. जानते हैं प्रियंका की सफलता के पीछे की कहानी.

## विवाह के बाद रुक गई थी पढ़ाई

प्रियंका की शादी साल 2012 में प्रदीप सिंह दांगी से हुई थी. प्रदीप मनासा विद्युत विभाग में पदस्थ हैं. शादी के बाद उनको एक बेटी और एक बेटा पैदा हुई. प्रियंका बचपन से ही पढ़ने में होनहार थी. लेकिन, शादी के बाद पारिवारिक जीवन में बंध जाने के कारण उनको अपनी पढ़ाई रोकनी पड़ी. प्रियंका बताती हैं कि ÷उन्होंने अपने देवर गजेंद्र दांगी को नवोदय परीक्षा की तैयारी करवाई, तो उसे सफलता मिल गई. इसके बाद उनके देवर ने उन्हें पीएससी की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया.÷

## पहले ही प्रयास में किया प्रदेश में टॉप

प्रियंका ने तैयारी शुरू की और उन्होंने पहले नेट और फिर गेट की परीक्षा उत्तीर्ण की. इसके बाद उन्होंने पीएससी का फॉर्म भरा और उसकी तैयारी में लग गई. प्रियंका गृहस्थी के काम, सास-ससुर और बच्चों की देखभाल करते हुए अपने अथक लगन और परिश्रम से पीएससी की परीक्षा पास कर ली. प्रियंका को मेंस में 576 नंबर मिले जो प्रदेश में दूसरा स्थान था. जबकि इंटरव्यू में 100 में से 91 नंबर लाकर उन्होंने पूरे मध्य प्रदेश में टॉप कर दिया.

## ज्यूरी मेंबर ने यू-ट्यूब शुरू करने की दी थी सलाह

प्रियंका ने अपने इंटरव्यू की कहानी साक्षा करते हुए बताया कि ज्यूरी मेंबर ने उनसे उनकी हॉबी पूछी तो उन्होंने पैरोडी लिखना बताया. प्रियंका ने मध्य प्रदेश के जिलों के नाम के साथ-साथ कई समसामयिक विषयों पर कई पैरोडी लिखी है. ज्यूरी मेंबर ने उनकी पैरोडी सूनी और सराही भी. ज्यूरी मेंबर ने कहा, आपको पैरोडी का शौक है, तो फिर यू-ट्यूब पर जाकर काम क्यों नहीं शुरू करतीं. प्रियंका जवाब देती हुई बोलीं- कर तो सकती हूं, लेकिन मेरा शौक विद्यार्थियों को पढ़ाना है. आज की वर्तमान शिक्षा पद्धति में छात्रों का कॉलेज आना लगभग बंद सा हो गया है. यदि उन्हें नियमित रूप से अभ्यास रोचकता के साथ कराया जाए, तो एक बार फिर से इस दिशा में अभी नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है।

# मानव संग्रहालय में लगेंगे 3 मोबाइल टावर

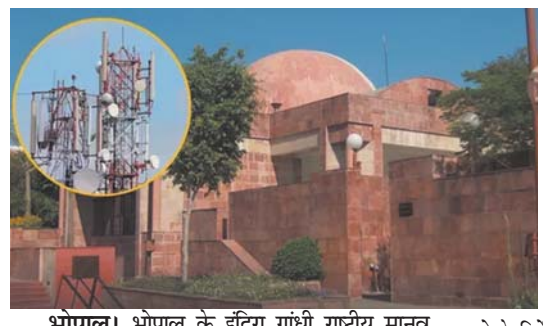



**भोपाल।** भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में जीआईएस सम्मेलन आयोजित होगा। इस सम्मेलन में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए उन्नत मोबाइल नेटवर्क सुविधा प्रदान की जाएगी। आयोजन स्थल पर पहले से मौजूद नेटवर्क सिस्टम को भी उन्नत करने की योजना बनाई गई है।

नए मोबाइल टावर लगाए जाएंगेः संग्रहालय परिसर में बीएसएनएल द्वारा दो और जियो द्वारा एक नया मोबाइल टावर लगाया जाएगा। इन टावरों का उद्देश्य सम्मेलन में भाग लेने वाले लोगों को निर्बाध इंटरनेट कनेक्शन देना है। यह टावर स्थायी रूप से संग्रहालय के आसपास नेटवर्क सुधारने में मदद करेंगे।

जीआईएस सम्मेलन में लगभग 25,000 लोगों के शामिल होने की संभावना है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति में उच्च गुणवत्ता वाली नेटवर्क सुविधा की आवश्यकता होगी। इसके लिए नेटवर्क सेवाओं को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

**पर्यटन स्थलों पर नेटवर्क सुधार के प्रयास**

मानव संग्रहालय परिसर के वर्तमान नेटवर्क सिस्टम को उन्नत करने का निर्णय लिया गया है। इससे न केवल सम्मेलन के दौरान बल्कि भविष्य में आने वाले पर्यटकों को भी बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। नेटवर्क सुधार से पर्यटन स्थलों की डिजिटल सेवाएं अधिक सुलभ हो जाएंगी। टावर लगाने और नेटवर्क सुधार का कार्य 15 दिनों के भीतर पूरा करने की योजना है। इस कार्य के लिए टेलीकॉम कंपनियों को समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्य पूरा होने के बाद संग्रहालय परिसर में तेज और स्थिर इंटरनेट सेवा उपलब्ध होगी।

**स्मार्ट टेक्नोलॉजी का उपयोगः** सम्मेलन के दौरान उन्नत मोबाइल तकनीक और इंटरनेट सेवाओं को सक्रिय रखा जाएगा। स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत यह नेटवर्क विस्तार भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा। डिजिटल सेवाओं की उपलब्धता से भोपाल की स्मार्ट सुविधाओं में सुधार होगा।

**नाम परिवर्तन सूचना**

मैं प्रद्युम्न कुमार (PRADYUMNA KUMAR) DOB 21.09.1966, s/o Sri Brij Mohan das Agrawal 13. न्यू मार्केट, 2nd floor, मेन रोड, टी.टी. नगर, भोपाल 462003, अब मुझे प्रद्युम्न कुमार अग्रवाल (Pradyumna Kumar Agrawal) के नाम से जाना जाए।

**प्रद्युम्न कुमार अग्रवाल**
13. न्यू मार्केट, 2nd floor, मेन रोड, टी.टी. नगर, भोपाल 462003

## मेक इन इंडिया से मेड फ़ॉर ग्लोबल का संदेश देना वाला शानदार बजट: अजय देवनानी

अजय देवनानी प्रवक्ता,बीसीसीआई, भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कहा कि एमएसएमई एवं मध्यम वर्ग बजट का स्वागत करता है, विश्वगुरू की और अग्रसर होता विकसित भारत का विज़नहै ये बजट स्टार्टअप एवम एमएसएमई वर्ग के लिए बड़ी फंडिंग का प्रावधान किया गया है,क्रेडिट लिमिट भी बढ़ाई गई है,05 लाख की लिमिट वाले क्रेडिट कार्ड सुविधा जारी होने से सूक्ष्म व्यापार को नई ऊर्जा प्राप्त होगीइनकम टैक्स मे राहत के साथ ही अगले हफ्ते आने वाले बिल मे कई जनहितैषी फैसले समाहित होंगेटेक्सटाइल एवम टॉय उद्योग मेबड़ी घोषणाओ से अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ ही रोजगार के भी नए अवसर प्राप्त होंगे इंश्योरेंस मे एफडीआई से आम जन को सस्ता मेडिकल इन्श्योरेंस प्राप्त होगा इलेक्ट्रिक व्हीकल की कीमत कम होने से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प पूर्ण होगा ।

## बेसिलिक फ्लाई स्टूडियो: 300 करोड़ के ऑर्डर पाइपलाइन के साथ मजबूती से आगे बढ़ रहा

**मुंबई, एजेंसी।** बेसिलिक फ्लाई स्टूडियो लिमिटेड (बीएफएस), जो प्रमुख विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो में से एक है, ने जनवरी 2025 तक 301.3 करोड़ (27.9 मिलियन) की मजबूत बिक्री पाइपलाइन की घोषणा की है। यह प्रभावशाली आंकड़ा कंपनी की गतिशील विकास दिशा और विश्वस्तरीय वीएफएक्स सेवाएं प्रदान करने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वर्तमान बिक्री पाइपलाइन में अक्टूबर 2024 में रिपोर्ट किए गए 20 मिलियन की तुलना में 39.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो उच्च-मूल्य परियोजनाओं को हासिल करने में कंपनी की निरंतर गति को दर्शाती है। यह प्रबंधन द्वारा पहले साझा किए गए मजबूत रेवेन्यू वृद्धि मार्गदर्शन के साथ भी संरेखित होता है।वर्तमान ऑर्डर बुक का अधिकांश भाग सितंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।बीएफएस की व्यापक सेल्स पाइपलाइन में प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और फिल्म स्टूडियो के प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट शामिल हैं, जो उच्च-गुणवत्ता वाले वीएफएक्स सेवाओं के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में बीएफएस की प्रतिष्ठा को दर्शाते हैं।

## कमोडिटी मार्केट टेक में डिजिटल विकास को बढ़ावा देने के लिए पैरामैट्रिक्स ने 5.41 करोड़ का आईटी सौदा जीता

**मुंबई, एजेंसी।** पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड एक प्रमुख तकनीकी समाधान प्रदाता, ने भारतीय कमोडिटीज मार्केट में एक राष्ट्रीय स्तर के मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर संस्थान के साथ एप्लिकेशन डेवलपमेंट न्ड मेंटेनेंस एगेजमेंट के लिए तीन साल का सौदा करने की घोषणा की है। जनवरी 2025 से मार्च 2028 तक चलने वाले इस अनुबंध का कुल अनुमानित मूल्य 5.41 करोड़ है। यह सौदा पारामेट्रिक्स की विशेषज्ञता को उजागर करता है जो उच्च गुणवत्ता, स्केलेबल, और विश्वसनीय आईटी समाधानों को प्रदान करने में सक्षम है, जो अपने ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुकूलित हैं। यह अनुबंध पारामेट्रिक्स की डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को मजबूती से दर्शाता है और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में इसके बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है। करता है और प्रौद्योगिकी परिदृश्य में इसके बढ़ते पदचिह्न को दर्शाता है।इस विकास पर टिप्पणी करते हुए, पैरामैट्रिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के संस्थापक, एम.डी. और सी.ई.ओ श्री मुकेश ठुमर ने कहा- हमें भारतीय वस्तु बाजार में इस राष्ट्रीय स्तर के मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर संस्थान के साथ उनके एप्लीकेशन डेवलपमेंट और मेंटेनेंस पहलों के लिए सौदा करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। हमारी सिद्ध विशेषज्ञता और ग्राहक-केंद्रित नजरिए के साथ, हम संस्थान की संचालन क्षमता को बढ़ाने और उनके विकास और नवाचार के नज़रिय का समर्थन करने का लक्ष्य रखते हैं। यह सौदा हमें उद्योग में एक विश्वसनीय आईटी साझीदार के रूप में हमारे स्थान की पुनः पुष्टि करता हैं , और हम अगले तीन वर्षों में उनके सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

## राजश्री सिनेमा का ओटीटी पर डेब्यू 'बड़ा नाम करेंगे' के साथ परंपरा और महत्वाकांक्षा की दिल छू लेने वाली कहानी

**मुंबई, एजेंसी।** इंटरव्यू में शो के शो-रनर सूरज बड़जात्या ने बड़ा नाम करेंगे के पीछे अपनी सोच साझा की। यह राजश्री प्रोडक्शन्स का ओटीटी पर पहला कदम है। उज्जैन और रतलाम की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में रची गई इस कहानी में दो महत्वाकांक्षी युवाओं का सफर दिखाया गया है, जो बड़े शहर की चुनौतियों से जूझते हुए अपनी छोटी-सी दुनिया और पारिवारिक मूल्यों से जुड़े रहते हैं। बड़जात्या की हस्ताक्षर शैली और आधुनिकता के संगम के साथ, बड़ा नाम करेंगे हर पीढ़ी के दर्शकों के दिलों को छूने का वादा करता है, जो परंपरा, रिश्तों और आधुनिक महत्वाकांक्षाओं को मनाता है। बड़ा नाम करेंगे की प्रेरणा सोनी लिव से आई, खासकर दानिश जी और सुगाता जी के राजश्री पर विश्वास से। जब हमारी उनसे पहली बार मुलाकात हुई, तो यह साफ हो गया कि वे चाहते थे कि राजश्री सिनेमा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आए।

## 'बड़ा नाम करेंगे' से कंवलजीत सिंह का बड़ा सपना हुआ पूरा, राजश्री प्रोडक्शंस संग काम करने पर जाहिर की खुशी!

मुंबई, एजेंसी। मशहूर अभिनेता कंवलजीत सिंह के लिए सपनों की कोई सीमा नहीं है। लगभग पांच दशकों से फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुके कंवलजीत की एक पुरानी ख्वाहिश आखिरकार पूरी हो गई है। उन्हें प्रतिष्ठित राजश्री प्रोडक्शंस के साथ काम करने का मौका मिला है। यह मौका उन्हें 'बड़ा नाम करेंगे' में मिला, जो सूरज आर. बड़जात्या के निर्देशन में बनी नई वेब सीरीज है। इस शो में कंवलजीत ने ऋषभ के चतुर और स्नेही चाचा आनंद राठी की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कंवलजीत सिंह ने बताया कि वे 40 साल से अधिक समय से इंडस्ट्री में हैं और हमेशा से राजश्री प्रोडक्शंस के साथ काम करने का सपना देखते रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें राजश्री के काम, उनकी पारिवारिक मूल्यों पर आधारित कहानियों और उनकी सादगी भरी प्रस्तुति हमेशा से पसंद रही है। अब उनके प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर उन्हें महसूस हो रहा है कि उनका यह सपना सच हो गया है। उन्होंने आनंद राठी के किरदार को बेहद खास बताते हुए कहा कि यह किरदार समझदार, स्नेही और पारिवारिक मूल्यों से भरपूर है, जो पूरे परिवार को एकजुट रखने की कोशिश करता है। यह भूमिका उनके लिए सम्मानजनक है। उन्होंने कहा कि यह कहानी दर्शकों के दिल को छूने के साथ-साथ उन्हें हंसाएगी और शायद कुछ भावुक भी कर देगी। यह परिवार, प्रेम और आपसी रिश्तों की अहमियत को दर्शाती है।

### फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (फेडरेशन) के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बजट पर अपने विचार रखे

# यह बजट सर्वांगीण विकास का बजट है

केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन जी ने संसद में बजट पेश किया। दीपक शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के आम बजट में एमएसएमई, इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर उद्योग, इंश्योरेंस सेक्टर में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश, स्टील और आयरन उत्पादों पर इंपोर्ट ड्यूटी में कमी, शहरी विकास और उर्जा क्षेत्र में बड़े एलानां का स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि इस बजट में इंडस्ट्री के सभी पहलुओं पर फोकस रहा है। वेतनभोगी लोगों के लिये 12 लाख तक की कर योग्य आय पर कोई भी टैक्स नहीं लगेगा। यह बहुत ही सराहनीय कदम है। इससे प्रायवेट इनवेस्टमेंट बढ़ेगा। जिसके कारण उपभोग में वृद्धि होगी और इसका सीधा सकारात्मक प्रभाव उद्योगों पर दिखाई देगा।

इस बजट में निर्यात पर फोकस किया गया है। जिसके तहत् एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन, भारत ट्रेड नेट, ग्लोबल कैपिसिटी सेंटर तथा बड़े स्तर पर कार्गो एवं वेयरहाउसिंग सेक्टर को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया है। इसका फेडरेशन स्वागत करता है। इस बजट में एमएसएमई की परिभाषा में बदलाव किया गया है जिसके तहत् 500 करोड़ टर्नओवर के उद्योग एमएसएमई में आ सकेंगे और एमएसएमई को मिलने वाली शासकीय सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। यह बहुत ही प्रशंसनीय कदम है।

फार्मा सेक्टर के अन्तर्गत कैंसर की 36 जीवन रक्षक दवाऐं पूरी तरह टैक्स फ्री होगी और कई दवाओं में कस्टम ड्यूटी हटाई गई है तथा 6 दवाओं को 5 प्रतिशत की ड्यूटी में रखा गया है। इससे फार्मा क्षेत्र के साथ ही आम जन को भी लाभ प्राप्त होगा। स्टार्टअप के लिये लोन की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ की गई है इससे इस क्षेत्र को बूस्ट मिलेगा।

इस बजट में कपड़ा उद्योग एवं ट्वायज इंडस्ट्री को राहत प्रदान की गई है जो कि इस क्षेत्र के विकास में सहायक होगी, साथ ही क्रीटिकल मिनरल की एक्पोर्ट ड्यूटी में भी छूट दी गई है। उद्यमियों की परेशानियों को देखते हुए उद्योगों में होने वाली घटनाओं पर उद्यमियों पर किये जाने वाले आपराधिक प्रकरण को हटाया गया है। यह सराहनीय है। बजट में क्रेडिट गारंटी कवर MSEs के लिये 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ की गई है, यह बहुत ही अच्छा कदम है।

## सरोवर होटल्स ने लॉन्च किया ट्यूलिप इन भोपाल

**गुरुग्राम, एजेंसी।** सरोवर होटल्स, महेंद्र एसोसिएट के साथ साझेदारी में, गर्व से ट्यूलिप इन भोपाल के लॉन्च की घोषणा करता है। यह आधुनिक मध्य-श्रेणी का होटल, लौवर होटल्स समूह के हिस्से के रूप में किफायती लेकिन परिष्कृत आवास प्रदान करते हुए, सरोवर होटल्स के पोर्टफोलियो के विस्तार को मजबूत करता है। ट्यूलिप इन भोपाल शहर के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और मनोरंजन स्थलों तक निर्बाध पहुंच प्रदान करता है, जो इसे आराम और सुविधा चाहने वाले आधुनिक यात्रियों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। होटल में 54 अच्छी तरह से सुसज्जित डीलक्स कमरे हैं, जिन्हें समकालीन लेकिन आकर्षक सौंदर्य के साथ सोच-समझकर डिजाइन किया गया है, साथ ही आवश्यक सुविधाएं और सुविधाएं भी हैं, जिनमें दिव्यांग मेहमानों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए कमरे भी शामिल हैं।मेहमान पूरे दिन चलने वाले डाइनिंग रेस्तरां ट्यूलिप में बहु-व्यंजन अनुभव का आनंद ले सकते हैं, या उष्णकटिबंधीय माहौल में स्थित एक स्टाइलिश लाउंज बार एलएटेलियर में आराम कर सकते हैं। होटल में अत्याधुनिक भोज और कॉन्फ्रेंसिंग स्थल भी हैं, जो इसे व्यावसायिक बैठकों, सामाजिक समारोहों और भव्य शादियों के लिए एक पसंदीदा स्थान बनाता है। एक पूरी तरह सुसज्जित फिटनेस सेंटर मेहमानों के अनुभव को और बेहतर बनाता है, जो स्वास्थ्य और विश्राम की तलाश कर रहे यात्रियों की जरूरतों को पूरा करता है।

सरोवर होटल्स के चेयरमैन और लूवर होटल्स इंडिया के निदेशक अजय के. बाकाया ने साझा किया कि हम मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत करते हुए, ट्यूलिप इन भोपाल को पेश करने के लिए महेंद्र एसोसिएट के साथ साझेदारी करके खुश हैं। भोपाल विरासत से समृद्ध शहर है और एक प्रमुख व्यवसाय और अवकाश स्थल के रूप में उभर रहा है।

# विश्व कैंसर दिवस : जागरुकता ही बचाव

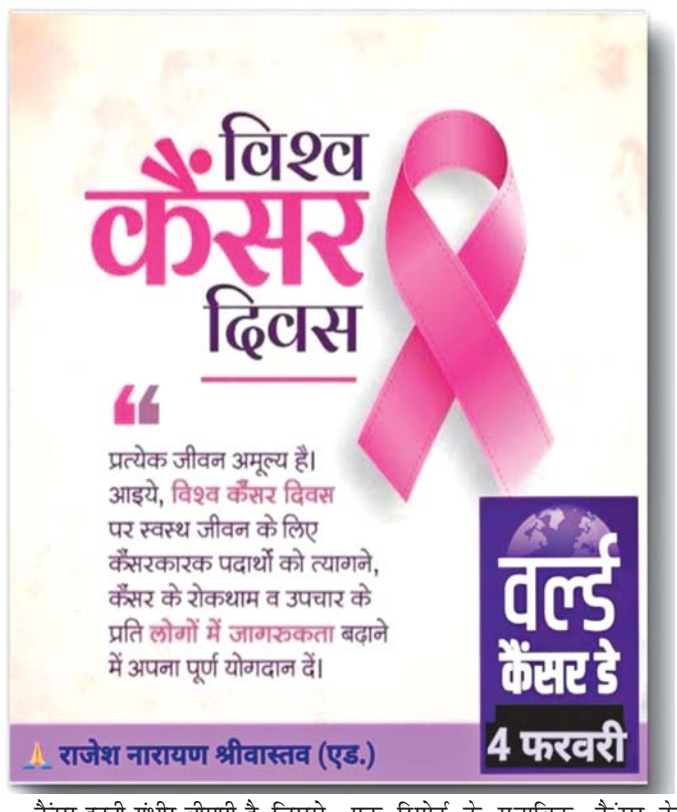


कैंसर इतनी गंभीर बीमारी है, जिससे दुनियाभर में लाखों मौतें होती हैं। डब्ल्यूएचओ के डाटा के अनुसार, विगत वर्ष में कैंसर की वजह से लगभग 90 लाख से ज्यादा मौतें हुई थीं। यह शरीर के किसी भी भाग में हो सकता है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैंसर के मामलों में 77 प्रतिशत बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। इसलिए इस बीमारी के प्रति लोगों को अधिक से अधिक जागरुक बनाने के लिए हर साल 4 फरवरी को वर्ल्ड कैंसर डे मनाया जाता है।

### क्यों मनाया जाता है वर्ल्ड कैंसर डे

इसके पीछे का उद्देश्य, लोगों में इस जानलेवा बीमारी के बारे में जागरुकता फैलाना है। इस दिन कैंसर के बारे में जानकारी, इसके लक्षणों की पहचान कर, जल्द से जल्द इसका इलाज करवाना और इससे बचाव के तरीकों के बारे में लोगों को जानकारी देने की कोशिश की जाती है। अगर इस बीमारी से जुड़ी सभी जरूरी बातों के बारे में लोगों को पता होंगी, इसकी रोक-थाम करने में काफी मदद मिल सकती है।

### क्या है इस साल की थीम :-

साल 2025 में वर्ल्ड कैंसर डे की थीम ÷यूनाइटेड बाय यूनिक है। इस थीम का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि कैंसर सिर्फ इलाज से नहीं जीता जा सकता है, बल्कि यह एक लड़ाई है जिसे लोगों के साथ मिलकर लड़ना और जड़ से उखाड़ फेंकना है। यह थीम इस बात पर जोर देती है कि हर व्यक्ति कैंसर के खिलाफ लड़ाई में अपना योगदान दे सकता है।

### क्या है वर्ल्ड कैंसर डे का इतिहास

वर्ल्ड कैंसर डे का इतिहास काफी पुराना नहीं है। साल 1999 में, वर्ल्ड सम्मिट एगेन्स्ट कैंसर, पेरिस, में इस दिन को मनाने का प्रस्ताव दिया गया था। इसके बाद साल 2000 में 4 फरवरी को पहली बार वर्ल्ड कैंसर डे मनाया गया था। इस दिन को मनाने के पीछे का उद्देश्य कैंसर के खिलाफ, दुनिया के सभी देशों का साथ मिलकर युद्ध करें और इस जानलेवा बीमारी को खत्म करने में अपना पूरा संयोग दें। इस बीमारी से जुड़े शोध और देखभाल को बढ़ावा देना, इस दिन को मनाने का मुख्य लक्ष्य है।

(साभार)
**राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)**

### बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया लगातार दे रहा है बेहतरीन परफॉर्मेंस

## +11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15,721 यूनिट्स की सबसे अधिक वार्षिक सेल दर्ज की

**मुंबई, एजेंसी।** बीएमडब्ल्यू के लिए अब तक की सबसे ज़्यादा लग्जरी क्लास डिलीवरी (7,आई7,एक्स7,एक्सएम)। बीएमडब्ल्यू7 सीरीज़ भारत में अपने सेगमेंट में सबसे आगे है। बीएमडब्ल्यू एक्स7 लग्जरी क्लास की सेल में सबसे आगे है।

इलेक्ट्रिक लग्जरी कार की सेल में भारत में लगातार तीसरे साल रहा दबदबा। बीएमडब्ल्यू आईएक्स भारत की सबसे ज़्यादा बिकने वाली लग्जरी ईवी है। बीएमडब्ल्यू आई7 अपनी श्रेणी में सबसे ज़्यादा बिकने वाली ईवी है। स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल्स +16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ी। बीएमडब्ल्यू एक्स5 की सबसे अधिक वार्षिक सेल दर्ज हुई। बीएमडब्ल्यू एक्स1 सबसे ज़्यादा बिकने वाली एसएवी बनी।बीएमडब्ल्यू 3 सीरीज सबसे ज़्यादा बिकने वाली सेडान रही। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने सफलता का नया अध्याय लिखते हुए 11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक की सबसे ज़्यादा वार्षिक डिलीवरी की है। कंपनी द्वारा जनवरी-दिसंबर 2024 के बीच 15,721 कारें (बीएमडब्ल्यू और मिनी) और 8,301 मोटरसाइकिलें (बीएमडब्ल्यू मोटोराड)डिलीवर करने का कीर्तिमान बनाया गया। बीएमडब्ल्यू की 15,012 यूनिटें और मिनी की 709 यूनिटें बिकीं। बीएमडब्ल्यू ने क्त4 में सबसे ज़्यादा सेल (4,958 यूनिट्स 7 +15 प्रतिशत) दर्ज की, दिसंबर की सेल (2,244 यूनिट्स 7 +17 प्रतिशत) भी अब तक की सबसे अधिक थी। श्री विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के, ने कहा, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने भारत में इस साल अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ सेल्स की और साथ ही 15,000 कारों की सेल का कीर्तिमान बना लिया है। लग्जरी कार सेगमेंट में हमारे पास रिटेल.नेक्स्ट जैसी नई पहल और हमारे ग्राहकों के लिए बेहतरीन एक्सपीरिएंसेज तथा सेवाओं के साथ सबसे मज़बूत उत्पाद पोर्टफोलियो है। बीएमडब्ल्यू भारत के लग्जरी कार बाज़ार में सस्टेनेबल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, लग्जरी क्लास और महत्वाकांक्षी प्रीमियम कॉम्पैक्ट सेगमेंट जैसे सेगमेंट्स में काफी आगे चल रही है। हमारी इस जबरदस्त सफलता का श्रेय ग्राहकों को खुशी प्रदान करने के हमारे दृढ़ संकल्प को जाता है। हम अपने डीलर पार्टनर्स और अपनी समर्पित टीम के साथ लग्जरी मोबिलिटी में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

## एचडीएफसी बैंक व सीईआरएसएआई ने सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

**मोहाली, एजेंसी।** भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंकों एचडीएफसी बैंक और भारत सरकार की कंपनी सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्यूरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट (सीईआरएसएआई) ने सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआरआर) पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी), एंटी मनी लॉन्ड्रिंग (एएमएल) और सीकेवाईसीआरआर पर उपलब्ध केवाईसी डेटा के उपयोग और सीकेवाईसीआर डेटा का उपयोग करते समय अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करना था, जिससे एक सुरक्षित और पारदर्शी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो और वित्तीय संस्थानों को धोखाधड़ी और संपत्ति के दोहराव के जोखिम से बचाया जा सके।

कार्यक्रम में पूरे भारत के निजी, सार्वजनिक और सहकारी बैंकों तथा एनबीएफसी के 100 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), फायनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट, सीईआरएसएआई तथा एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री भावेश जावेरी ने सीईआरएसएआई के विकास पर बात की जो पिछले कुछ वर्षों में डेटा तथा ग्राहकों के केवाईसी दस्तावेजों का एकल बिंदु भंडार बन गया है। संगठन के पास वर्तमान में 7,000 से अधिक रिपोर्टिंग संस्थाएं पंजीकृत हैं, जो लगभग 100 करोड़ ग्राहकों को कवर करती हैं, जिसका लाभ सभी रिपोर्टिंग संस्थाओं द्वारा उठाया जा सकता है। उन्होंने सेंट्रल केवाईसी (सीकेवाईसी) के उपयोग के क्षेत्र में दिए गए समर्थन के लिए आरबीआई को धन्यवाद भी दिया। सीईआरएसएआई के एमडी और सीईओ श्री उमेश कुमार सिंह ने इस अवसर पर बात करते हुए सीईआरएसएआई को सीकेवाईसी के तहत रिकॉर्ड प्रस्तुत करने की प्रक्रिया तथा ग्राहक पहचान के लिए इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राहक किस प्रकार मिस्ड कॉल के माध्यम से या सीईआरएसएआई की वेबसाइट से उल्लिखित चरणों का पालन करके अपना सीकेवाईसी नंबर प्राप्त कर सकते हैं। श्री सिंह ने मोहाली स्थित बैंक हाउस में यह कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एचडीएफसी बैंक को धन्यवाद दिया। केवाईसी एएमएल पर आरबीआई के नवीनतम मास्टर निर्देश के आधार पर सीईआरएसएआई को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने से संबंधित अन्य परिचालन मुद्दों पर भी चर्चा की गई और उन्हें स्पष्ट किया गया।

## एम. एच .के . आईटीसी में भोपाल मैनेजमेंट स्टूडेंट चैप्टर प्रारंभ होगा

भोपाल। मुंशी हुसैन खान इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग संस्थान में भोपाल मैनेजमेंट का स्टूडेंट चैप्टर प्रारंभ किया जायेगा जिसमे छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान के साथ अनुभवी और विशेषज्ञ फैकल्टी द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा उद्योग जगत से संबद्ध किए इसकी जानकारी बीएमए के प्रबंधक अमीरखान ने एलसीडी प्रस्तुतिकरण कर छात्रों को दी और स्टूडेंट चैप्टर के लाभ बताए भोपाल मैनेजमेंट के पब्लिक इमेज चेयरमैन जी के छिब्बर ने भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन की गतिविधियों से अवगत कराते हुवे स्टूडेंट चैप्टर से पूर्व में जुड़े छात्रों की सफल कहानी बताकर छात्रों को प्रेरित किया की नौकरी की चाह न रखने स्वयं का रोजगार स्थापित कर मालिक बने सरकार की अनेक ऋण योजनाएं भी है अपने कौशल में दक्ष बने

बीएमए छात्रों के व्यक्तित्व विकास एवम नेतृत्व क्षमता को बड़ाने में भी भूमिका निभाएगा।

संस्थान प्रमुख डॉ सैय्यद इफ्तखार अली ने भी बीएमए के स्टूडेंट चैप्टर प्रारंभ किए जाने पर बीएमए को धन्यवाद दिया और छात्रों को चैप्टर के सदस्य बनाने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया इस अवसर पर प्रिंसिपल एस. एल. बथवी ने भी स्टूडेंट चार्टर प्रारंभ किए जाने और इसके लाभ पर प्रकाश डाला आभार प्रदर्शन संस्था कर सचिव इकबाल मसूद ने किया लगभग 50 छात्रों ने स्टूडेंट चैप्टर के सदस्य बनाने पर सहमति दी कार्यक्रम का संचालन उजैर पाशा ने किया इस अवसर पर सहायक प्रशासक तनवीर रईस भी उपस्थित थे।

## राष्ट्र निर्माण, रोजगार और आर्थिक विकास में सीमेंट उद्योग की अहम भूमिका

**मुंबई, एजेंसी।** सीमेंट निर्माताओं के संघ ने केंद्रीय बजट 2025-26 का स्वागत किया है, जिसे माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने पेश किया। छ्रूक्की सदस्य कंपनियाँ देश के विकास में अहम योगदान दे रही हैं। वे बुनियादी ढांचे के निर्माण, रोजगार बढ़ाने और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छ्रूक्का मानना है कि यह बजट भारत को आगे बढ़ाने के लिए लोगों, अर्थव्यवस्था और नई तकनीकों में निवेश को बढ़ावा देता है।

बजट पर टिप्पणी करते हुए, श्री नीरज अखोरी, प्रेसिडेंट, सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएमए) और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री सीमेंट लिमिटेड, ने कहा, सीएमए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट की सराहना करता है, जो कि समग्र और समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। बजट भारत के विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा को और सशक्त बनाता है। सरकार द्वारा घोषित विभिन्न पहलों ने लोगों की आकांक्षाओं और देश की आर्थिक वृद्धि की भविष्य की जरूरतों के बीच सही संतुलन बनाए रखा है। राज्यों में इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ी हुई निवेश प्राथमिकता सीमेंट क्षेत्र के विकास के लिए नए अवसर और रास्ते खोलती है। हम इंफ्रास्ट्रक्चर पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की सराहना करते हैं। साथ ही, हम राष्ट्र की प्रगति में साझेदार बनने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखेंगे।

उन्होंने आगे कहा, बड़े पैमाने पर हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर बढ़ता खर्च निर्माण सामग्री की माँग में भी वृद्धि करेगा, जिससे क्षमता विस्तार और सतत प्रथाओं में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। हमें पूरा यकीन है कि इन चुनौतियों के बावजूद, ये उपाय सीमेंट उद्योग को इस वित्तीय वर्ष में स्थापित सीमेंट क्षमता के 6 प्रतिशत से अधिक की लगातार विकास दर हासिल करने में मदद करेंगे। बजट 2025-26 में किए गए नीतिगत सुधार सरकार के समाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की मंशा को जाहिर करते हैं। सीमेंट उद्योग लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है, खासकर विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स और निर्माण क्षेत्रों में। इसके अलावा, यह सरकार को करों और शुल्कों के रूप में महत्वपूर्ण राजस्व प्रदान करता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। श्री पार्थ जिंदल, वाइस प्रेसिडेंट, सीमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीएमए) और मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड, ने कहा, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट एक दूरदर्शी रोडमैप है। यह वर्ष 2047 के विकसित भारत की हमारी दृष्टि के अनुरूप है और भारत के सीमेंट उद्योग के भविष्य को बेहतर बनाने में अहम् भूमिका निभाएगा। यह इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वृद्धि को प्राथमिकता देता है। टेक्नोलॉजी में बढ़ा हुआ निवेश हरित सीमेंट समाधानों में प्रगति को तेज करेगा, जिससे उद्योग में स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। उम्मीद है कि महत्वपूर्ण आवंटनों से सीमेंट क्षेत्र सहित मुख्य क्षेत्रों में वृद्धि को मजबूती मिलेगी। इनमें नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 20,000 करोड़ रुपए और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए राज्यों को पूँजी खर्च पर 50 साल तक बिना ब्याज के 1.5 लाख करोड़ रुपए के ऋण शामिल हैं।

## पीडब्लूएनसैट ने विद्यार्थियों की सफलता के सम्मान में 2.2 करोड़ से अधिक के कैश पुरस्कार वितरित किए

**मुंबई, एजेंसी।** एजुकेशन प्लेटफॉर्म, फिज़िक्सवाला (पीडब्लू) ने पूरे देश में आयोजित नेशनल स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (पीडब्लूएनसैट) 2024 में सबसे अच्छे अंक प्राप्त करने वाले 1,581 विद्यार्थियों को सम्मानित किया है। अकेले भोपाल में पीडब्लू ने 13 विद्यार्थियों को सम्मानित किया है। शिक्षा प्राप्त करना आसान बनाने के लिए पीडब्लू ने इस पुरस्कार समारोह में विद्यार्थियों को 2.2 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार वितरित करके उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित किया। देश में स्कॉलरशिप के लिए एक महत्वपूर्ण टेस्ट, पीडब्लूएनसैट में पूरे देश से 15.5 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था।

250 करोड़ रुपये के पीडब्लूएनसैट 2024 स्कॉलरशिप फंड द्वारा पीडब्लू का उद्देश्य विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस की फिक्र किए बगैर कोचिंग प्राप्त करने में समर्थ बनाना है। पीडब्लूएनसैट 2024 का उद्देश्य जेईई और नीट प्रत्याशियों को फैकल्टी, संसाधन और अध्ययन का वातावरण प्रदान करना है। यह स्कॉलरशिप प्रोग्राम वित्तीय सहायता के अलावा, रहने की व्यवस्था में सहयोग और मेंटरशिप भी उपलब्ध कराएगा ताकि प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपने शैक्षणिक उद्देश्य प्राप्त कर सकें।

पीडब्लू के फाउंडर एवं सीईओ, अलख पांडे ने कहा, ''हमने शिक्षा को किफायती बनाने और सभी तक पहुँचाने के सरल से लक्ष्य के साथ इसकी शुरुआत की थी। पीडब्लूएनसैट 2024 हमारे द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की वित्तीय बाधा को दूर करने का एक तरीका है। 250 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप विद्यार्थियों को भविष्य बनाने में मदद करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है। आज हम जिन 1581 विद्यार्थियों को सम्मानित कर रहे हैं, उन्होंने बहुत कड़ी मेहनत की है, और हम उनकी इस मेहनत को अपने पुरस्कार के माध्यम से सम्मानित कर रहे हैं। लेकिन उनकी असली सफलता तब होगी जब वो अपने सपनों को पूरा कर लेंगे, तथा दूसरे लोगों को भी अपने लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करेंगे।'' आज के इस कार्यक्रम द्वारा इन विद्यार्थियों की दृढ़ता, समर्पण और उपलब्धियों को सम्मानित किया गया है। आज उनकी इस प्रतिभा को पहचान प्रदान करने के लिए स्टूडेंट्स, पैरेंट्स, एजुकेटर्स और एकेडेमिक लीडर्स यहाँ एकत्रित हुए हैं।

## पंकज बन्सोड को सौसर ब्लाक एन एस यु आई अध्यक्ष बने



**सौसर।** मध्यप्रदेश के पुर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एव पूर्व सांसद नकुलनाथ की अनुमति से तथा जिला कांग्रेस कमेटी पाढुर्णा के जिलाअध्यक्ष सुरेश झलके, जिला एनएसयूआई अध्यक्ष जिमी टाकभवरे, विधायक विजय चौरे जिला समन्वयक भागवत महाजन ब्लॉक अध्यक्ष डॉ.राजेंद्र येमदे के एव सभी वरिष्ठ नेताओ की सहमती से पंकज बन्सोड को सौसर ब्लाक एन एस यु आई अध्यक्ष, रितिक सालोटकर को ब्लाक एन एस यु आई कार्यवाहक अध्यक्ष, ज्ञानेश्वर बारापात्रे को ब्लाक एन एस यु आई कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया है। सभी नवनिर्वाचित युवक कांग्रेस के पदाधिकारियों को नियुक्ति पर चहेतो एवं कांग्रेस परिवार की और से बधाई एवं शुभकामना दी है।

## गायत्री प्रज्ञा मंदिर में मनाया बसंत पंचमी पर्व



अमरवाड़ा। गायत्री प्रज्ञा मंदिर में 1कुंडिय गायत्री यज्ञ के साथ बसंत पंचमी पर्व पूजन एवं गायत्री परिवार के संस्थापक परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी का आध्यात्मिक जन्म दिवस गायत्री यज्ञ के माध्यम से मनाया गया यज्ञीय कार्य में ह्य द्म शर्मा, ष्द्य विश्वकर्मा, मुकेश यादव, ठ्ठ द्म सोनी, निर्मलेस साहू, प्रखर सोनी , नरेंद्र सोनी,मातृ शक्ति एवं गायत्री परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

## कमलनाथ व नकुलनाथ ने कहा शिवानी बहन के प्रथम आगमन पर हार्दिक स्वागत

**छिन्दवाड़ा।** मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने प्रेरक वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन के प्रथम छिन्दवाड़ा आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। नेताद्वय ने कहा कि बड़े ही सौभाग्य का विषय है कि उनका सानिध्य व दिव्य वचनों को गृहण करने का अवसर जिले व नगरवासियों को प्राप्त होने जा रहा है।कमलनाथ जी ने अपने संदेश में कहा कि मेरी कर्मभूमि छिन्दवाड़ा जिले की पावन धरा पर ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन का हार्दिक स्वागत अभिनन्दन है। उनका सानिध्य व उनके दिव्य वचनों से जिले व नगर की जागरूक जनता को एक नई दिशा प्राप्त होगी। उनके वकतव्य जीवन जीने की कला व मुश्किल हालातों से लड़ने का तरीका बताते हैं। माननीय कमलनाथ जी ने जिले व नगरवासियों से आग्रह किया कि सभी शिवानी बहन के दिव्य वचनों को सुनने अवश्य पहुंचे और उनका अनुसरण भी करें।

## महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा पर परिचर्चा



अमरवाड़ा। शासकीय स्नातक महाविद्यालय में आज साइबर सुरक्षा अभियान के तहत परिचर्चा का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शिव चरण मेश्राम की अध्यक्षता में किया गया जिसमें अमरवाड़ा नगर निरीक्षक श्री राजेन्द्र धुर्वे, श्री मांगों, श्री राजनीश सोनी उपस्थित रहे। परिचर्चा में अमरवाड़ा नगर निरीक्षक श्री राजेन्द्र धुर्वे ने विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर पर विडियो के माध्यम से साइबर सुरक्षा से संबंधित फैक फोन काल, फेसबुक आईडी , इंस्टाग्राम आईडी,एआई व बेटीयो को साइबर अपराध से बचने के उपाय की जानकारी दी।नगर निरीक्षक श्री धुर्वे ने विद्यार्थियों के द्वारा पूछे गए साइबर से संबंधित सवालो का जवाब देते हुए उनके जिज्ञासाओं को शांत भी किया । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योति सूर्यवंशी व आभार डॉ आर एन झारिया ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## जिला स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर 06 फरवरी को

छिन्दवाड़ा( म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड छिंदवाड़ा के कार्यालय अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जिले में वृत्त/जिला स्तरीय विद्युत शिकायत निवारण फोरम द्वारा शिविर का आयोजन 06 फरवरी 2025 गुरूवार को प्रातः 11ः00 बजे से दोपहर 02ः00 बजे तक प्रशासनिक भवन खजरी रोड छिन्दवाड़ा में किया गया है, जिसमें उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा। फोरम शिविर में विद्युत अधिनियम की धारा 126, 135, 138 एवं 161 के अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरणों पर सुनवाई नहीं की जायेगी । विद्युत उपभोक्ता अपनी शिकायत के साथ उपस्थित होकर शिकायत का निराकरण करवा सकते हैं ।

## बसंत पंचमी के अवसर पर निकाली भव्य चुनरी यात्रा मां शारदा के दरबार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

छिंदवाड़ा। मां सरस्वती स्वरूप शारदा माई के पावन



प्राकट्य उत्सव बसंत पंचमी के अवसर पर जगह - जगह हुए धार्मिक आयोजन इसी क्रम में दुनावा नगर स्थित श्री मां शारदा देवी के दरबार में विगत तीन दिनों से चल रहे महापूजन का पूर्णाहूति के साथ समापन हुआ साथ ही भक्तों ने मिलकर मां शारदा के दरबार से भव्य चुनरी यात्रा निकाली जो दुनावा की नगर सेठानी मां खेड़ापति के श्री चरणों में अर्पित की गई दरबार के प्रधान पुजारी श्री विशाल पंडा जी ने बताया कि इसमें से एक चुनरी मैहर मां शारदा शक्तिपीठ पंहुचायी जाएगी जो मां शारदा को अर्पित की जाएगी दरबार में मां शारदा को 56 महाभोग के साथ अन्य नाना प्रकार के व्यंजन अर्पित किए गए।

## दौरियाखेड़ा में पदस्थ सहायक शिक्षक निलंबित

**छिन्दवाड़ा।** सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा प्राथमिक शाला दौरियाखेड़ा के सहायक शिक्षक दिनेश कुमार भारती को शराब का सेवन कर शाला में उपस्थित होने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

# कुसमेली में अवैध कॉलोनी काटने के प्रकरण में भी एफआईआर दर्ज करायेः कलेक्टर

### जल जीवन मिशन की सभी एसडीएम सप्ताह में 2 बार करेंगे समीक्षा 24-25 फरवरी को भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सहभागिता के लिए जिले से अधिक से अधिक पंजीयन कराने के निर्देश



**छिन्दवाड़ा।** कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में पुलिस अधीक्षक अजय पांडे, सीईओ जिला पंचायत अग्रिम कुमार एवं अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं जिला मुख्यालय के अधिकारी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि अन्य सभी एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ सहित सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

**शेष अवैध कॉलोनाइजर्स पर एफ.आई.आर न होने पर नाराजगी**

समय सीमा प्रकरणों की बैठक में अवैध कॉलोनाइजर्स पर कार्यवाही की समीक्षा के दौरान शेष अवैध कॉलोनाइजर्स पर अभी तक एफ.आई.आर दर्ज नहीं होने पर कलेक्टर श्री सिंह ने नाराजगी व्यक्त की और कारण पूछा। कलेक्टर श्री सिंह ने आयुक्त नगर पालिक निगम को इस सप्ताह शेष कॉलोनाइजर्स पर भी एफ.आई.आर.दर्ज कराने के सख्त निर्देश दिए हैं। नगर पालिक निगम आयुक्त ने बताया कि संबंधित थानों में कर्मचारियों को एफ.आई.आर. के लिए भेजा गया है, लेकिन दर्ज नहीं हो पाई। इस पर बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक श्री पांडेय ने तत्काल संबंधित थाना प्रभारियों को दूरभाष पर एफ.आई.आर. दर्ज करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसी तरह कुसमैली में अवैध कॉलोनी काटने के प्रकरण में भी संबंधितों के विरुद्ध एफ.आई. आर. दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। धरमटेकरी से अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम और एसडीएम छिंदवाड़ा को संयुक्त कार्यवाही के निर्देश दिए।

**धरती आबा का डेटा अपडेट करने के निर्देश**

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में पीएम जनमन अभियान की तरह ही धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में भी कार्य करना है और शत-प्रतिशत पात्र जनजातीय हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना है। उन्होंने धरती आबा ग्रामों के सर्वे डेटा का सत्यापन सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर करने के निर्देश दिए। जिससे कुल कितने पात्र जनजातीय हितग्राहियों को विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ मिल चुका है और कितनों को दिया जाना शेष है, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने आ सके। हमें सभी पात्र हितग्राहियों को अभियान के तहत सैचुरेट करना है, एक भी हितग्राही छूटना नहीं चाहिए।

**24-25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट**

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि 24 एवं 25 फरवरी 2025 को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का वृहद आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सहभागिता के लिए इच्छुक इन्वेस्टर्स क्यूआर कोड के माध्यम से या investmp.in पर जाकर अपना ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। जिले से अधिक से अधिक इन्वेस्टर्स इसमें सहभागिता करें इसके लिए उन्होंने उद्योग, खनिज, उद्यानिकी, कृषि, पशुपालन, स्वास्थ्य सहित सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि जिले के अधिक से अधिक लोगों को इस संबंध में जागरूक करें और ऑनलाइन पंजीयन करवाएं। जिससे वे भोपाल पहुंचकर इस बड़े आयोजन में सहभागिता कर सकें।

**हितग्राही मूलक सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण पर विशेष जोर**

कलेक्टर श्री सिंह ने जनजातीय कार्य विभाग और पी.जी.कॉलेज से संबंधित एक विद्यार्थी के स्कॉलरशिप न मिलने संबंधी सीएम हेल्पलाइन शिकायत के निराकरण में विभागों द्वारा हीलाहवाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर श्री सिंह के संज्ञान में आने पर शिकायत का निराकरण हो सका है। उन्होंने सभी विभागों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि हितग्राही मूलक योजनाओं से संबंधित सभी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कराएं। आपकी लापरवाही के कारण यदि ऐसे प्रकरण में हितग्राही को अनावश्यक परेशानी उठानी पड़ी और ये प्रकरण समाधान ऑनलाइन समीक्षा के लिए चिन्हांकित हुए, तो संबंधित अधिकारी की जवाबदारी तय की जाएगी और उसके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

**एसडीएम करेंगे जल जीवन मिशन की समीक्षा**

प्रमुख सचिव पी.एच.ई. श्री पी.नरहरि द्वारा दिए निर्देशों से अवगत कराते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को सप्ताह में दो बार जल जीवन मिशन की गंभीरता से समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के इंजीनियर्स के साथ पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी के अमले को शामिल करते हुए जल जीवन मिशन का गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन मार्च 2025 तक शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

**एस.डी.एम वक्फ बोर्ड की जमीन की जानकारी भेजें**

बैठक में समय सीमा के प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर श्री सिंह ने टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत और अधिक लोगों को निक्षय मित्र बनाते हुए टीबी रोगियों के लिए फूड बास्केट की व्यवस्था करने, एडीएम को जिले में वक्फ संपत्ति से संबंधित जानकारी शीघ्र भेजने, उद्यानिकी विभाग को पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत स्वीकृति सभी प्रकरण बैंकों में जाकर वितरित करवाने, राजस्व अधिकारियों को वसूली बढ़ाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत नवीन ग्रामीण सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव भेजने, जनजातीय कार्य विभाग को आवास सहायता योजना से शेष रह गये विद्यार्थियों के आवेदन प्राप्त करने आदि के निर्देश दिए हैं।

# महाशिवरात्रि पर्व पर भूराभगत में 17 से 28 फरवरी तक आयोजित होगा महादेव मेला

### मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर ने ली बैठक

**छिन्दवाड़ा।** जनपद पंचायत जुन्नारदेव की ग्राम पंचायत सांगाखेड़ा के ग्राम भूराभगत में महाशिवरात्रि पर्व पर आगामी 17 से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाले महादेव मेले के आयोजन के संबंध में आज सोमवार को कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक संपन्न हुई। बैठक में मेले में की जाने वाली व्यवस्थाओं को लेकर विभागवार विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा और समीक्षा की गई तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये । बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अजय पांडे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार, एडीएम श्री के.सी.बोपचे सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वहीं, एसडीएम जुन्नारदेव सुश्री कामिनी ठाकुर सहित अन्य अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

**सुरक्षा के व्यापक इंतजाम-** मेले में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने नागदेव, निमोठी, विशाला, सांगाखेड़ा (भूराभगत) और गोरख घाट जैसे प्रमुख स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, मेले के रूट पर तीन स्थानों पर विशेष चेकिंग पॉइंट बनाए जाएंगे, जहां शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती बरती जाएगी।

**सड़क और परिवहन सुविधाएँ-** मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एमपीआरडीसी और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को नागदेव, निमढाना, जामई और तामिया मार्गों की मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं। खतरनाक स्थानों पर सुरक्षा दीवारों का निर्माण और रेडियम चिन्ह लगाए जाएंगे, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। साथ ही पंचायतों द्वारा पेड़ों पर रेडियम पट्टियाँ लगाने के भी निर्देश दिए गए है, जिससे रात्रि में रास्ता स्पष्ट रूप से दिखाई दे। रेडियम की पट्टियाँ अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा उपलब्ध करवाई जाएंगी।

**श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाएँ-** श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए 16 प्रमुख पंचायतों द्वारा अस्थायी टेंट, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की जाएगी। नगर पालिका को निर्देश दिए गए हैं कि चलित शौचालय, फायर ब्रिगेड और अन्य आवश्यक सुविधाओं की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

**पेयजल और स्वच्छता प्रबंधन-** लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और ग्राम पंचायतों को पूरे मेले क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, वॉश ऑन व्हील योजना का लाभ लेते हुए स्वच्छता साथियों के माध्यम से शौचालयों की सफाई नियमित रूप से की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

**संस्कृति और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा-** मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए इस बार नवाचार करते हुए विशेष टेंट सिटी विकसित की जाएगी, जहां वे ठहर सकेंगे और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा, लोक नृत्य, पारंपरिक जड़ी-बूटी स्टॉल और वनधन स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

### कमलनाथ ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र...

# आउटसोर्स कर्मचारियों के हित में निर्णय लेने की रखी मांग



छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने एक अति महत्वपूर्ण पत्र लिखकर आउटसोर्स, अस्थाई व अंशकालीन कर्मचारियों के हितों की आवाज उठाई है। कर्मचारियों का प्रदेश सरकार के द्वारा किए जा रहे शोषण पर तत्काल विराम लगाने व उनकी मांगों को अविलम्ब पूरा करने हेतु माननीय कमलनाथ जी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। कमलनाथ ने अपने अर्द्ध शासकीय पत्र क्रमांक में उल्लेख किया कि प्रदेश में आउटसोर्स, अस्थाई व अंशकालीन कर्मचारियों को पुनरीक्षित न्यूनतम वेतन पर लगी वैधानिक रोक हटाये जाने के उपरांत बढ़ी हुई दरों पर 01 अप्रैल 2024 से एरियर सहित भुगतान, आउटसोर्स कर्मियों को विभाग से वेतन भुगतान कराने, पंचायतों के चौकीदार, भृत्य, पम्प ऑपरेटर, स्कूलों-छात्रावासों के अंशकालीन कर्मचारियों, योग प्रशिक्षकों सहित न्यूनतम वेतन के दायरे से बाहर सभी कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दिलाने तथा सभी विभागों के आउटसोर्स व अस्थाई कर्मियों का कार्यरत विभागों में लघु कैडर बनाकर नियमित कर ठेका प्रथा समाप्त करने के साथ ही विभिन्न मांगों का निराकरण अविलम्ब किया जावे। पूर्व सीएम श्री नाथ ने अपने पत्र में आगे लिखा कि प्रदेश के अनेकों विभागों में शासकीय कार्य का एक बड़ा हिस्सा आउटसोर्स, अस्थाई व ठेका कर्मचारियों के द्वारा किया जाता है इसीलिये उनका विभागीय कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान है, क्योंकि शासकीय कर्मचारियों के अभाव में इन्हीं कर्मचारियों के द्वारा कार्य पूर्ण किए जा रहे। शासकीय संस्थाओं में आउटसोर्स व अस्थाई कर्मचारी अपना कार्य पूर्ण निष्ठा के साथ संपादित कर रहे हैं। श्री नाथ ने अपने पत्र के अंत में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से अनुरोध पूर्वक कहा कि समस्त आउटसोर्स, अस्थाई व अंशकालीन कर्मचारियों के व्यापक हितों को दृष्टिगत रखते हुए, मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए शासन स्तर पर उनकी मांगों को पूरा करने हेतु शीघ्र निर्णय लें। ताकि प्रदेश के समस्त आउटसोर्स, अस्थाई व अंशकालीन कर्मचारी पूर्ण मनोबल एवं सम्मान के साथ शासकीय कार्य को पूरा करें।

# देश स्वर्णिम युग की ओर बढ़ रहा है - शिवानी बहन



छिंदवाड़ा । खुशियों की स्वर्णिम सुप्रभात पर ब्रह्माकुमारी शिवानी बहन ने कहा कि देश स्वर्णिम युग की और बढ़ रहा है, आज हमें खुद को बदलने की आवश्यकता है ,हमें अपने व्यवहार में नम्रता लाना चाहिए जिससे शांति स्थापित होगी हमें नकारात्मकता को त्यागना होगा , सकारात्मकता से हमारा वायुमंडल सकारात्मक होगा और उससे शांति स्थापित होगी, दशहरा मैदान में आयोजित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के कार्यक्रम में शिवानी बोल रही थी उन्होंने लगभग 1 घंटे के अपने प्रवचन में जीवन प्रबंधन के बारे में कहा हमारे जीवन में संतुष्टता, और नम्रता लाना चाहिए, हमें अपने परिवार को संस्कारित करना चाहिए और संस्कारित परिवार में ही सुख और शांति रहेगी, आज कलयुग में हर जगह अशांति है ,जिसे शांति में बदलने की आवश्यकता है और जब हर जगह शांति होगी तभी हम परिवार और देश की तरक्की कर पाएंगे उन्होंने कहा कि दुनिया के 144 देश में प्रजापति ब्रह्मकुमारी के आश्रम है जो शांति का संदेश दे रहे हैं कार्यक्रम में की सांसद विवेक साहू, पूर्व राज्यपाल सुश्री अनसूया उईके, जिला भाजपा अध्यक्ष शेष राव यादव, नागेंद्र ब्रह्मचारी, श्रीमती शालिनी साहू महापौर विक्रम आहके अन्य अतिथि उपस्थित थे कार्यक्रम में आसपास के जिले के सेवादारी एवं श्रोता उपस्थित थे मैदान सुबह 6ः00 बजे ही भर गया था

## समाज का सहयोग कर शासन की योजनाओं का करें प्रचारः रवि वर्मन

### बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट पढ़ाई के साथ साथ सीख रहे समाजसेवा के गुर



छिंदवाड़ा। म.प्र जन अभियान विकास खंड छिंदवाड़ा में आयोजित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत कक्षाओं का संचालन किया गया इस अवसर पर जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक रवि बर्मन जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, संभाग समन्वयक रवि बर्मन ने कक्षा में अपने संबोधन में छात्रों से कहा कि सामुदायिक क्षेत्र में काम करने वाले छात्र समाजसेवी की भूमिका में है, आप सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा समाज के अंतिम छोर में विराजमान व्यक्ति को शासन की महत्वपूर्ण जानकारी, शासन योजनाओं का प्रचार प्रसार कर शासन की योजनाओं से वंचित लोगों का सहयोग कर शासन की योजनाओं का लाभ दिलाएं। उन्हीने मेंटर और स्टूडेंट के क्लास के एवम फील्ड के फीड बैक लेकर छिंदवाड़ा विकास खंड की बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू की क्लास एवम फील्ड में किए कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए सभी स्टरूडेंट एवम परामर्श दाताओं को स्मार्ट वर्क की संज्ञा देते हुए कहा की जिले ही नही अपितु पूरे संभाग के सभी विकास खंडों को इनका अनुसरण करते हुए इसी तरह से अपना कार्य के प्रति समर्पण देना चाहिए। इस अवसर पर उपस्थित जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने विकासखंड छिंदवाड़ा में सामुदायिक नेतृत्वकर्ता द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें अखिलेश जैन ने कहा कि प्रत्येक ग्राम में एक-एक छात्र, छात्रा द्वारा सामाजिक स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है साथ ही नशा मुक्ति अभियान, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सबके लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार सामुदायिक नेतृत्वकर्ताओं द्वारा कार्य किया जा रहा है एवं जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। परामर्शदाता विनोद तिवारी द्वारा मंच संचालन करते हुए बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू की क्लास वर्क एवम फील्ड वर्क में शासन की महती योजनाओं के प्रचार प्रसार में जन अभियान परिषद के बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट एवम परामर्शदाताओं द्वारा जिला समन्वयक अखिलेश जैन सर के कुशल मार्गदर्शन में कार्य की सफलता का परिणाम बताया।इस अवसर पर परामर्श लता नागले, तृप्ति सिंह, जयप्रकाश सूर्यवंशी एवं आशीष साहू ने भी अपने उदगार व्यक्त किए एवम अपनी पाठ्य कौशल विधि एवम फील्ड को रोचक कैसे बनाते है बताया ।रविवार की कक्षा में सभी एम एस डब्लू, वी एस डब्लू के छात्र छात्राएं उपस्थित थे। ज्ञात हो कि स्थानीय प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज (पीजी कॉलेज) में प्रत्येक रविवार को एमएसडब्ल्यू एवं वी एस डब्लू की कक्षाओं का संचालन जन अभियान परिषद के माध्यम से किया जाता है।

# दिल्ली में पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगीः अजय चौरे

### प्रदेश के नेताओं के साथ तनमन धन से लगे चुनाव में



छिंदवाड़ा। पूर्व विधायक सौंसर भाजपा नेता अजय चौरे ने बतया कि हमें संगठन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में लगाया गया है। जो लगातार 3 फरवरी तक पार्टी संगठन एवं प्रत्याशी का सहयोग किया है। पार्टी संगठन की ओर से सभी नेताओं के निवास एवं वाहन की उपलब्धता की है। हमारे टोली में मार्गदर्शक सत्येन्द्र भूषण सिंह, दीपक कामडे, छिंदवाड़ा प्रभारी संतोष पारीख, प्रदेश मंत्री केशव भदौरिया, वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र बरुआ, पूर्व निगम अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह, पूर्व विधायक अजय चौरे एव अन्य नेता गण चुनाव प्रचार किया है। दिल्ली विधानसभा के गुड़गांव से लगें छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के आयानगर मंडल में हम कार्यरत हैं। यहां महिलाएं भाजपा के पक्ष में बढ़ चढ़ कर कार्य कर रही है। दिल्ली विधानसभा में भाजपा को बहुमत दिलाने की जिम्मेदारी बहनों ने अपने सर पर ले रखी है। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरोत्तम मिश्रा , कैलाश विजयवर्गीय के नेतृत्व में अलग अलग क्षेत्रों में कार्यकर्ता जी जान से जुटे हुए हैं। दिल्ली के बार्डर के एरिया में विकास न के बराबर है। इसकी नाराजगी आप सरकार पर स्पष्ट दिखाई दे रही है। मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार दिल्ली विधानसभा में बनने की भरपूर संभावनाएं हैं। हमारा प्रचार गली मोहल्लों से लेकर, बैठक आयोजित कर कार्यकर्ताओं की बैठकें लेकर उत्साहवर्धन किया। मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं की दिल्ली विधानसभा चुनाव में विशेष भुमिका रहेंगी। दिल्ली चुनाव में वरिष्ठ राष्ट्रीय नेताओं से बैठके हुयी। उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। अरविन्द मेनन, मध्यप्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, राजनाथ सिंह एवं अन्य नेतागणों के साथ संपर्क हुआ एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता एवं विकास को लेकर जनता उत्साहित है और पूर्ण बहुमत से भाजपा की सरकार बन रही है।

## प्रशासन द्वारा चमत्कारिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट समिति को सौंपा कार्यभार

### समिति के नौ सदस्य करेंगे मंदिर का संचालन



सौसर। क्षेत्र का प्रसिद्ध चमत्कारिक हनुमान मंदिर कि ट्रस्ट समिति को गत दिनों न्यायालय के आदेश अनुसार भंग कर शासन को कार्य भार सोपा गया था। कलेक्टर के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी सिद्धार्थ पटेल के पास चमत्कारीक हनुमान मंदिर का कार्यभार था। आज चमत्कारिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट के नौ सदस्यों को कार्यभार सौंप दिया हैं। साथ ही श्री पटेल के प्रयासों से गत 5 वर्षों में चमत्कारिक हनुमान मंदिर समिति की.आय में खर्च काट कर करीब 2 करोड़ 25 लाख की राशि की आय बढाकर कुल राशी करीब 6 करोड़ 90 लाख रुपए चार्ज में सोपी गई हैं।जनता को उम्मीद है हनुमान जी के मंदिर के कायाकल्प करने की योजना में पदाधिकारी आपस में बैर न रख प्रगति का कार्य करेंगे।

## जिला खनिज प्रतिष्ठान छिन्दवाड़ा के अंतर्गत किया जायेगा ऑडिट

छिन्दवाड़ा। जिला छिन्दवाड़ा खनिज प्रतिष्ठान का वर्ष 2019-2020 से वर्ष 2023-2024 तक (5 वर्ष) का वर्षवार पृथक-पृथक आडिट (अंकेक्षण) कार्य कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला खनिज प्रतिष्ठान श्री शीलेन्द्र सिंह के आदेशानुसार स्थानीय चार्टर्ड अकाऊन्टेन्ट फर्म से कराया जाना है। इस संबंध में प्रभारी खनि अधिकारी छिंदवाड़ा ने बताया कि वर्षवार ऑडिट (अंकेक्षण) कार्य के लिये इच्छुक चार्टर्ड अकाऊन्ट फर्म अपनी दर (शुल्क) सीलबंद लिफाफे में 7 फरवरी 2025 को शाम 5.00 बजे तक कलेक्टर कार्यालय (खनिशाखा) छिन्दवाड़ा में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दर (शुल्क) संबंधी सीलबंद लिफाफे स्वीकार्य नही होंगे ।

## बाकोल में पदस्थ एक सहायक शिक्षक निलंबित

**छिन्दवाड़ा।** सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा प्राथमिक शाला बाकोल के सहायक शिक्षक श्री रामेश्वर निकोसे को शराब का सेवन कर शाला में आराम करते हुये पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री मरकाम ने बताया कि विकासखंड जुन्नारदेव के संकुल केन्द्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भतोड़ियाकलां के संकुल प्राचार्य तथा जनशिक्षक के संलग्न पंचनामा के अनुसार अवगत कराया गया है कि प्राथमिक शाला बाकोल का 30 जनवरी 2025 को ग्रामीणों के समक्ष निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में सहायक शिक्षक श्री निकोसे शराब का सेवन कर शाला में आराम करते हुए पाये गये। पंचनामा के अनुसार ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया है कि सहायक शिक्षक निकोसे शराब पीकर ही आते है एवं बच्चों को पढ़ाते नहीं है। सहायक शिक्षक श्री निकोसे का यह कृत्य अपने पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता को प्रदर्शित करता है एवं मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1965 के विरूद्ध होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है। इसीलिये प्राथमिक शाला बाकोल के सहायक शिक्षक श्री निकोसे को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के उपनियम (2) में दिये गये प्रावधानों के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में सहायक शिक्षक श्री निकोसे का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी हर्रई नियत किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार निलंबन भत्ते की पात्रता रहेगी।

# पत्रकार के पिता की आत्म शान्ति के लिए श्री मद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ



**छिंदवाड़ा।** श्री योग वेदांत सेवा समिति के साधकों ने आज सन्त श्री आशारामजी आश्रम लिंगा में पत्रकार राजेश करमेले के पूज्य पिताजी गोपीचंद पिता गणपत करमेले के परलोक गमन पर श्री मद भगवद गीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर वैदिक रूप से तर्पण कर पुण्य अर्पण किया । इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि शास्त्रों में आता हैं कि जिनका शरीर छूट गया है उनके लिये तीसरा, तेरहवीं और गंगा पूजन का विधान है। किसी कारणवश यह सब ना कर पाएं हों तो श्री मद भगवदगीता के 7 वें अध्याय का पाठ कर पुण्य अर्पण करने का भी विधान है । इससे मोक्ष की प्राप्ति होती है। संस्था समय - समय पर जिले के प्रतिष्ठित गणमान्य नागरिकों के मोक्ष हेतु यह सेवा करती हैं। पूज्य गोपीचंद जी मूलतः गोनी बिछुआ के निवासी रहें हैं उनके परिवारजन अच्छे साधक हैं। संस्था से मधुर संबंध रहे । साथ ही शेषराव राउत पिता लक्ष्मण राउत निवासी शक्तिनगर जो अंकित राउत और अंचल राउत के पिता जी हैं और शिवजी साहू पिता बातू साहू निवासी बोरदेही जो सुखनन्दन सुरेश और खन्ना साहू के भाई हैं उनके लिए भी पाठ कर पुण्य अर्पण किया। 29 जनवरी को महाकुंभ प्रयागराज मेले की भगदड़ में लगभग 30 लोगो का शरीर छूट गया उनके मोक्ष हेतु भी तर्पण किया गया। इस अवसर पर साध्वी रेखा बहन , साध्वी प्रतिमा बहन, समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, गोवर्धन मालवीय, कैलाश राउत, सुभाष इंगले, बबलू माहोरे , सुजीत सूर्यवंशी, शम्भूदयाल साहू, ओमी साहू , रामेश्वर करमेले, अशोक कराडे , नारायण ताम्रकार रुपाली इंगले,छाया सूर्यवंशी आदि ने सेवाएं दी ।

# SEIL प्रतिनिधियों ने की मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भेंट

## मध्य प्रदेश विधानसभा, मुख्यमंत्री निवास, शूटिंग अकैडमी एवं शैक्षणिक संस्थानों का किया भ्रमण

**भोपाल।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा आयोजित SEIL यात्रा के तहत पूर्वोत्तर भारत से आए प्रतिनिधियों ने मध्य प्रदेश का दौरा किया। इस यात्रा के अंतर्गत प्रतिनिधियों को मध्य प्रदेश विधानसभा, मुख्यमंत्री निवास, मध्य प्रदेश शूटिंग अकैडमी तथा भोपाल के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण कराया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रतिनिधियों से मुलाकात की और अपने पुराने SEIL यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश न केवल भौगोलिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की विविधता को अपनाने और राष्ट्र की एकता को मजबूत करने का संदेश दिया।

विधानसभा में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने छात्रों से संवाद किया और SEIL यात्रा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यक्रम एक देश, एक संस्कृति की भावना को सशक्त करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह - 4 फरवरी को आयोजित होगा जिसमें उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल होंगे शामिल SEIL यात्रा के अंतर्गत 4 फरवरी 2025 को एक भव्य नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद एवं विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

**SEIL यात्रा का उद्देश्य-** ABVP द्वारा संचालित यह यात्रा एक राष्ट्र,एक जन एवं एक संस्कृति की भावना को सशक्त करते हुए युवाओं को भारत की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराने और राष्ट्र की एकता को मजबूत करने का कार्य कर रही है। पूर्वोत्तर राज्यों से आए प्रतिभागी 1 से 5 फरवरी 2025 तक मध्य प्रदेश प्रवास करेंगे और इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेंगे।

## एमपी में मास्टर प्लान के तहत बनेंगी 23 सड़कें, 8 का पहले होगा निर्माण

**इंदौर।** मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में निगमायुक्त शिवम वर्मा ने स्मार्ट सिटी कार्यालय में मास्टर प्लान के पहले चरण में बनने वाली 8 सड़कों के निर्माण कार्य की समीक्षा की। इस दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री डीआर लोधी मौजूद रहे। वर्मा ने बताया कि मास्टर प्लान के तहत 23 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है।

बिचौली हप्सी से भूरी टेकरी होते हुए नायता मुंडला तक का कार्य जारी है। प्रथम चरण में 8 सड़कों के लिए सेंट्रल लाइन डालने, नोटिस जारी करने संबंधी कार्य इस सप्ताह से शुरू कर दिए जाएंगे।

### इन 8 सड़कों का होगा काम

- सुभाष मार्ग (गोल मंदिर से रामबाग पुल तक)-लंबाई 1300 मीटर, चौड़ाई 30 मीटर। ● लिंक रोड (एमआर-10 से एमआर-12 तक)-लंबाई 1800 मीटर, चौड़ाई 30 मीटर। ● एमआर-5 (बड़ा बांगड़दा से पीएमएवाय मल्टी तक)- लंबाई 1700 मीटर, चौड़ाई 24 मीटर। ● भमोरी चौराहे से एमआर-10 व राजशाही गार्डन से होटल वॉच तक- लंबाई 1100 मीटर, चौड़ाई 30 मीटर। ● वीर सावरकर प्रतिमा से अटल गेट तक-लंबाई 1310 मीटर, चौड़ाई 18 मीटर। ● एडवांस एकेडमी से रिंग रोड तक- लंबाई 3650 मीटर, चौड़ाई 30 मीटर। ● जमजम चौराहे से स्टार चौराहा तक- लंबाई 1920 मीटर, चौड़ाई 30 मीटर। ● खजराना मंदिर द्वार से जमजम चौराहा तक-लंबाई 1120 मीटर, चौड़ाई 18 मीटर।

## ग्वालियर, श्योपुर और कोटा तक बिछेगी बड़ी रेल लाइन, 450 करोड़ मंजूर

**ग्वालियर।** ग्वालियर, श्योपुर और कोटा के बीच नैरोगेज (छोटी रेल लाइन) को हटाकर उसकी जगह ब्रॉडगेज (बडी रेल लाइन) बिछाने काम अब तेज होगा। क्योंकि इस बार आम बजट में इस प्रोजेक्ट के लिए 450 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। यह बात डीआरएम दीपक कुमार सिन्हा ने झांसी में पत्रकारों से कही। डीआरएम सिन्हा ने बताया झांसी से बीना के बीच तीसरी लाइन के काम भी बजट में ध्यान रखा गया है। इसके लिए भी करीब 110.50 करोड़ रुपए दिए गए हैं। डीआरएम सिन्हा ने बताया इस बार बजट में ,उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल को कुल 2344.39 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है, जो कि पिछले वर्ष के 2202.46 करोड़ की तुलना में 6.44 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय बजट में झांसी मंडल को कितना पैसा मिला है इसकी जानकारी सोमवार को रेलवे की पिंक बुक के जरिए मंडल को मिली है। बजट में झांसी मंडल के नए रेल प्रोजेक्ट को ध्यान में रखा गया है।

फरवरी के आंते ही आम के पेड़ पर बौर उग आए। उसकी मदमस्त करने वाली खुशबू से मन प्रफुल्लित हो जाता है।

## इंदौर पब्लिक स्कूल अचानक ख़ाली कराया, धमकी का मामला

**इंदौर।** राउ स्थित इंदौर पब्लिक स्कूल परिसर में आज सुबह अचानक विद्यार्थियों को घर जाने के लिए कहा। कोई कुछ समझ पाता उसके पहले ही बसों में बच्चों को बिठाकर घर के लिए रवाना कर दिया। ऐसा कहा जा रहा है कि स्कूल और परिसर में लगने वाले कॉलेज के बच्चों ने अपने पेरेंट्स को फ़ोन करके बताया कि संभवतः स्कूल को किसी तरह की धमकी मिली है। हज़ारों छात्र छात्राओं को ताबड़ तोड़ बाहर निकाल दिया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थी स्कूल के सामने की लाइन में जाकर मंदिर परिसर में जमा हो गए। समाचार लिखे जाने तक स्कूल और कॉलेज से अचानक विद्यार्थियों को बाहर क्यों किया, इसको लेकर अधिकृत जानकारी नहीं मिल पाई है।

## सौरभ, चेतन, शरद पहुंचे जेल, 17 फरवरी तक रिमांड पर

**भोपाल।** किलो सोना और 11 करोड़ कैश को लेकर मोस्ट वांटेड सौरभ शर्मा और उसके राजदार चेतन, शरद की सात दिन की रिमांड खत्म होने के बाद आज मंगलवार 4 फरवरी को तीनों को कोर्ट में पेश किया गया है। 7 दिन के रिमांड पर पूछताछ में तीनों ने कई बेनामी संपत्तियों के खुलासे किए, लेकिन सोना और कैश के मामले में अब भी लोकायुक्त पुलिस के हाथ खाली हैं।

बता दें कि राजधानी में मेंडोरी में 19 दिसंबर की रात चेतन की कार से जब्त 52 किलो सोना और 11 करोड़ नकदी किसकी, अब तक इस मामले में लोकायुक्त पुलिस कुछ भी नहीं उलगवा सकी। तीनों इस मामले पर मुंह खोलने को तैयार नहीं हैं।

**रिमांड पर लेने से पहले भी ऐसे ही कोर्ट पहुंची थी लोकायुक्त पुलिस-** 7 दिन की रिमांड खत्म होने के बाद सौरभ, चेतन और शरद को कोर्ट में पेश करने के लिए लोकायुक्त पुलिस पीछे के दरवाजे से कोर्ट पहुंची है। जबकि रिमांड पर लेने से पहले 28 जनवरी को कोर्ट में सरेंडर करने की अपील की सुनावाई में पहुंचने से पहले ही लोकायुक्त पुलिस सौरभ को कोर्ट के बाहर से ही गिरफ्तार कर चुकी थी। इसके बाद पीछे के दरवाजे ही पुलिस ने सौरभ को कोर्ट में पेश कर 4 फरवरी तक रिमांड पर लिया था।

## मध्य प्रदेश में जारी होने लगे बसों के अस्थायी परमिट, भोपाल से हुई शुरुआत

**भोपाल।** उच्च न्यायालय की ओर से लगी रोक के एक महीने बाद निजी बसों के लिए अस्थायी परमिट जारी होने की प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई है। इसकी शुरुआत भोपाल से हुई है। बताया जा रहा है कि जल्दी ही पूरे प्रदेश में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय विभिन्न मार्गों के लिए बस संचालन का अस्थायी परमिट जारी करने लगेंगे। उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ के एक आदेश से एक जनवरी 2025 के बाद से बसों के अस्थायी परमिट जारी नहीं हो रहे थे। इस वजह से प्रदेश भर में चार हजार बसों के पहिए थम गए। ये ऐसी बसें थीं जिन्हें विभिन्न मार्गों पर पर्याप्त बसें नहीं होने के आधार पर अस्थायी अनुमति मिली थी।

उच्च न्यायालय की ओर से कहा गया कि अस्थायी परमिट की व्यवस्था मनमानी है। कानून के तहत ऐसे परमिट जारी करने का अधिकार केवल संभागीय परिवहन उपायुक्त को है। प्रदेश में कोई परिवहन उपायुक्त नहीं था, ऐसे में नए परमिट जारी होना ही बंद हो चुका था। परमिट बंद होने से कई मार्गों पर यात्रियों को पर्याप्त संख्या में बसें नहीं मिल रही थीं।

वहीं विवाह, मांगलिक कार्य, महाकुंभ सहित अन्य स्थानों पर ले जाने के लिए भी बस संचालकों को परमिट नहीं मिल पा रहे थे। परिवहन आयुक्त के मौखिक निर्देश पर भोपाल आरटीओ की ओर से कुछ परमिट जारी भी किए गए हैं। आगामी कुछ दिनों में प्रदेश के अन्य क्षेत्रीय व जिला परिवहन कार्यालय से अस्थायी परमिट जारी होने की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है। इससे विभिन्न मार्गों पर बंद हो चुकी 25 प्रतिशत अस्थायी परमिटों पर संचालित बसें फिर से सड़कों पर दौड़ने लगेंगी। इससे यात्रियों की परेशानी दूर होगी।

**प्रदेश में 13 हजार बसें अस्थायी परमिट पर-** मध्य प्रदेश प्राइम रूट बस एसोसिएशन के अध्यक्ष गोविंद शर्मा ने बताया कि प्रदेश में 37 हजार से अधिक यात्री बसें हैं, जो विभिन्न मार्गों पर चल रही हैं। इनमें 13 हजार बसें अस्थायी परमिट पर दौड़ रही हैं। एक जनवरी से अस्थायी परमिट जारी नहीं होने से वे बसें बंद हो गईं जिनके परमिट की अवधि पूरी हो गई है।

**ऐसा है अस्थायी परमिट का गणित-** बस एसोसिएशन के मुताबिक अस्थायी परमिट के लिए 200 रुपये प्रति सीट, प्रति किलोमीटर के हिसाब से टैक्स देना होता है। इस मान से एक बस का परमिट शुल्क हर महीने 24 से 30 हजार रुपये तक हो जाता है।

## भोपाल में भीख देने-लेने वालों पर एफआईआर होगी, सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

**भोपाल।** भोपाल में अब भीख लेना और देना दोनों ही जुर्म होगा। भीख लेने और देने वाले पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। निगरानी के लिए जिला प्रशासन चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद लेगा।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार रात को भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध के आदेश जारी कर दिए है। आदेश में कहा गया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 अंतर्गत धारा 163 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए भोपाल जिले के समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भिक्षावृत्ति को पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। आदेश के मुताबिक भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कुछ भी देना या उनसे किसी भी प्रकार के सामान को खरीदना प्रतिबंधित किया जाता है। जो व्यक्ति भिक्षुओं को भिक्षा स्वरूप कोई चीज प्रदान करता है या देता है या इनसे कोई सामान खरीदता हैं तो उसके विरूद्ध भी इस आदेश का उल्लंघन के लिए कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

इसलिए जारी करना पड़े आदेशः कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने सोमवार रात यह आदेश जारी किए। इसमें कहा गया कि भोपाल जिले में इस प्रकार की भिक्षावृत्ति में अन्य राज्य एवं शहरों के व्यक्ति भी संलग्न रहते हैं। जिसमें कई व्यक्तियों का आपराधिक इतिहास भी रहता है। भिक्षावृत्ति कार्य में संलग्न अधिकांश व्यक्ति नशे या अन्य गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। इसकी आड़ में वे आपराधिक गतिविधि कर देते हैं।